mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-332 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
03 दिसंबर 2025 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

संसद का शीतकालीन सत्र :

विपक्ष एसआईआर पर बहस करने की मांग पर अड़ा, लोकसभा-राज्यसभा में भारी हंगामा

● सांसद वेल में पहुंचे, वोट चोर- गद्दी छोड़ के नारे लगाए ● भाजपा बोली- ये बिहार हार का विलाप

नई दिल्ली, एजेंसी। एसआईआर के खिलाफ विपक्ष का लगातार दूसरे दिन संसद में प्रदर्शन जारी है। लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होते ही सभी विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। कुछ सांसद वेल तक पहुंच गए। स्पीकर ने इस दौरान प्रश्नकाल को जारी रखा, लेकिन विपक्ष लगातार 20 मिनट तक वोट चोर- गद्दी छोड़ के नारे लगाता रहा।

इसके बाद कार्यवाही पहले 12 बजे फिर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। उधर, राज्यसभा में भी विपक्ष का प्रदर्शन और नारेबाजी जारी है। इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, लोकतंत्र की रक्षा के लिए विरोध-प्रदर्शन जरूरी है। इससे पहले विपक्ष ने सुबह 10: 30 बजे संसद परिसर में मकर द्वार के सामने लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन किया। इनकी मांग है कि सरकार एसआईआर इस पर फौरन चर्चा करे। सत्र के पहले दिन (1 दिसंबर) दोनों सदनों में एसआईआर और वोट चोरी के आरोप के मुद्दे पर विपक्ष ने हंगामा किया था। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में बताया था कि सरकार स्ट्रक और चुनावी सुधारों पर चर्चा के लिए तैयार है। विपक्ष से अपील कि वह इस पर कोई समय सीमा न थोपें।

सूत्रों के मुताबिक विपक्ष ने तर्क रखा है कि चर्चा में एसआईआर शब्द की जगह सरकार चाहे तो इलेक्टोरल रिफॉर्म या किसी अन्य नाम का उपयोग करते हुए विषय को कार्यवाही में सूचीबद्ध कर ले। सरकार इस तर्क पर राजी हो सकती है। वह इस पर अपना रुख बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में रखेगी।

वंदे मातरम् पर 10 घंटे चर्चा संभव

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर सरकार सदन में वंदे मातरम् पर 10 घंटे चर्चा करा सकती है। यह बहस गुरुवार-शुक्रवार को हो सकती है। पीएम मोदी खुद इसमें हिस्सा ले सकते हैं। 30 सितंबर को राज्यसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में सत्तारूढ़ दल के कई सदस्यों ने इस चर्चा का प्रस्ताव रखा था। अब तक ऑफिशियल बयान नहीं आया है।

संचार साथी एप पर प्रियंका बोलीं-सरकार जासूसी करना चाहती है

सरकार ने पहले कहा था- सभी मोबाइल में इंस्टॉल होगा; अब बोली- डिलीट कर सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। सभी मोबाइल फोन में साइबर सिक्योरिटी एप संचार साथी को प्री-इंस्टॉल करने के दूरसंचार विभाग (DoT) के आदेश पर विवाद बढ़ने के बाद मंगलवार को केंद्र सरकार की सफाई आई। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि ये कंपलसरी नहीं है। चाहे तो यूजर इसे डिलीट कर सकते हैं। केंद्र सरकार ने एक दिसंबर को स्मार्टफोन कंपनियों को आदेश दिया था कि वे स्मार्टफोन में सरकारी साइबर सेफ्टी एप को पहले से इंस्टॉल करके बेचें। इसके लिए 90 दिन का समय दिया था। इस फैसले का कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियों ने विरोध किया।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि यह कदम लोगों की प्राइवेसी पर सीधा हमला है। यह एक जासूसी एप है। सरकार हर नागरिक की निगरानी करना चाहती है। साइबर धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग के लिए सिस्टम जरूरी है, लेकिन सरकार का ताजा आदेश लोगों की निजी जिंदगी में अनावश्यक दखल जैसा है।

विपक्ष के नेताओं के बयान..

कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने भी सरकार के इस आदेश की आलोचना की है। वहीं, कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने मंगलवार को इस मुद्दे पर सदन स्थगन नोटिस भी दिया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, मैं सदन में बहस के दौरान बोलूंगा ... अभी टिप्पणी नहीं करूंगा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर- संचार साथी एप उपयोगी हो सकता है, लेकिन इसे स्वैच्छिक होना चाहिए। जिसे जरूरत हो, वह खुद इसे डाउनलोड कर सके। किसी भी चीज़ को लोकतंत्र में जबरन लागू करना चिंता की बात है। सरकार को मीडिया के जरिए आदेश जारी करने के बजाय जनता को स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि इस फैसले के पीछे तर्क क्या है। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल- यह आम लोगों की प्राइवेसी पर सीधा हमला है। मदद के नाम पर BJP लोगों की निजी जानकारी तक पहुंच बनाना चाहती है। भारत में हमने पेगासस जैसे मामले देखे हैं। अब यह एप लगाकर देश के लोगों की निगरानी करने की कोशिश की जा रही है।

सिद्धारमैया-शिवकुमार ने 4 दिन में दूसरी बार साथ नाश्ता किया

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर चल रही खींचतान के बीच मंगलवार सुबह सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने मंगलवार को फिर साथ में ब्रेकफास्ट किया। ये 4 दिन में दूसरी बार है जब दोनों की साथ में नाश्ते पर मीटिंग हुई। सिद्धारमैया मंगलवार सुबह शिवकुमार के घर पहुंचे, जहां उनका स्वागत डीके शिवकुमार और उनके भाई, पूर्व सांसद डीके सुरेश ने किया। इसके बाद तीनों ने साथ बैठकर पारंपरिक नाटी चिकन और इडली लुत्फ उठाया। इसके बाद दोनों नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान जब मीडिया ने सिद्धारमैया से पूछा कि शिवकुमार को कब सीएम बनाया जाएगा, इस पर उन्होंने कहा- जब हाईकमांड कहेगी। इसके अलावा उन्होंने कहा- हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है और वे राज्य सरकार को एकजुट होकर चला रहे हैं।

कुवैत-हैदराबाद इंडिगो फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई, एजेंसी। कुवैत से हैदराबाद आ रही इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6E-1234 को मंगलवार सुबह बम की धमकी के बाद मुंबई एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। अधिकारियों के मुताबिक, हैदराबाद एयरपोर्ट को एक ईमेल मिला था, जिसमें विमान में बम होने की बात लिखी थी। इसके बाद तुरंत सभी एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक एयरबस A321-251NX विमान रात 1:56 बजे कुवैत से उड़ा था और सुबह 8:10 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया। विमान को सुरक्षित तरीके से उतारकर एयरपोर्ट के अलग-थलग इलाके में ले जाया गया है, जहां बम स्क्वायड और सुरक्षा टीमें पूरी जांच कर की गई हैं।

सुप्रीम कोर्ट केरल सरकार की एसआईआर के खिलाफ याचिकाएं सुनेगा, बंगाल के 2208 बूथ पर 100प्रतिशत फॉर्म वापस

दावा- ऐसा संभव ही नहीं, सीईओ ने रिपोर्ट मांगी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट आज केरल में SIR की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया की याचिका पर सुनवाई करेगा। केरल सरकार की याचिकाओं में राज्य में लोकल बॉडी चुनावों के कारण SIR की प्रक्रिया को टालने की मांग की गई है।

इससे पहले, 26 नवंबर को, कोर्ट ने तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और दूसरे राज्यों में SIR एक्सरसाइज को चुनौती देने वाली पॉलिटिकल लीडर्स, एक्टिविस्ट्स और NGO की तरफ से दायर कई पिटीशन पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा था। इधर, पश्चिम बंगाल में एसआईआर के बीच कई बूथ पर 100% एन्युमेरेशन फॉर्म डिजिटाइज्ड हो गए। निर्वाचन आयोग को 2208 पोलिंग स्टेशन में कुछ संदेह हुआ, जब यहां से अनकलेक्टेबल फॉर्म जीरो पाया गया।

तमिलनाडु में एसआईआर से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई 4 दिसंबर को

सुप्रीम कोर्ट एक्टर से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (TVK) की SIR के खिलाफ याचिका पर भी सुनवाई के लिए मान गया। CJI सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने इस मामले को तमिलनाडु से जुड़ी दूसरी पेंडिंग याचिकाओं के साथ 4 दिसंबर को सुनवाई के लिए लिस्ट किया है।

बांग्लादेश से आकर बंगाल में बसे लोगों की याचिका पर 9 दिसंबर को सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश से आए शरणार्थियों की तरफ से दायर एक याचिका पर भी नोटिस जारी किया, जिन्हें 2019 के सिटिजनशिप अमेंडमेंट एक्ट के तहत सर्टिफिकेट जारी करने में देरी के कारण मताधिकार से वंचित होने का डर है।

कोर्ट ने NGO आत्मदीप की याचिका पर EC से जवाब मांगा है। आत्मदीप ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें 2014 से पहले भारत में आए हिंदू, बौद्ध, ईसाई और जैन शरणार्थियों के लिए सुरक्षा की मांग वाली PIL पर सुनवाई करने से मना कर दिया गया था, लेकिन उन्हें अभी तक सिटिजनशिप नहीं दी गई है।

पिटीशनर NGO की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट करुणा नंदी ने कहा कि बौद्ध, सिख, जैन और ईसाई समुदायों के शरणार्थी बांग्लादेश में धार्मिक उत्पीड़न से भागकर कानूनी कट-ऑफ तारीख से पहले पश्चिम बंगाल में बस गए हैं।

यूपी-राजस्थान समेत 6 राज्यों में 10 दिन शीतलहर का अलर्ट

● म.प्र. के 6 जिलों में पारा 10 डिग्री से नीचे; तमिलनाडु-पुडुचेरी में तेज बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्दी के इस सीजन (दिसंबर से फरवरी) के बीच मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और महाराष्ट्र में कोल्डवेव सामान्य से ज्यादा दिन रह सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक इन राज्यों में आमतौर पर 4-6 दिन कोल्डवेव रहती है। जो कि इस बार 10 दिन रह सकती है।

मध्य प्रदेश में 5-6 दिसंबर से कड़ाके की ठंड शुरू होगी। वहीं शीतलहर भी चलेगी। मंगलवार से रात के पारे में 2 से 3 डिग्री की गिरावट होने की संभावना है। इससे पहले बीती रात भोपाल, इंदौर समेत प्रदेश के 6 जिलों में पारा 10 डिग्री से नीचे रहा।

राजस्थान में इस बार दिसंबर से फरवरी तक कड़ाके की सर्दी पड़ने का अनुमान है। इस दौरान शीतलहर के दिन सामान्य से ज्यादा रहने और न्यूनतम तापमान भी सामान्य से नीचे रहने का अलर्ट है। वहीं चूरू, झुंझुनूं और सीकर में 3-5 दिसंबर तक शीतलहर चलने का यलो अलर्ट है। दूसरी तरफ साइक्लोन दितवाह के असर के चलते तमिलनाडु और पुडुचेरी के समुद्री तट के इलाकों में जमकर बारिश जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक दितवाह कमजोर हो गया। वहीं सोमवार को बारिश के चलते चेन्नई एयरपोर्ट से 10 उड़ानें रद्द की गईं। कई इलाकों में पानी भर गया। बारिश का असर आज भी जारी रहेगा।

कनाडा में खालिस्तान समर्थकों ने भारत विरोधी नारे लगाए

● पीएम मोदी-रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के पुतले बनाकर लिखा- हिंदू टेरेरिस्ट ● हाथों में थे पाकिस्तानी झंडे

लुधियाना, एजेंसी। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों ने अलग-अलग शहरों में भारत के खिलाफ जहर अगला। सरे शहर में खालिस्तानियों ने निज्जर के होर्डिंग्स लेकर भारत के खिलाफ नारेबाजी की। यही नहीं उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला बनाकर उस पर लिखा कि इसने हरदीप निज्जर को मारा है।

प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को हिंदू टेरेरिस्ट बताया। वहीं, दूसरी तरफ वैंकुवर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के खिलाफ प्रदर्शन किया। यहां भी राजनाथ के उस बयान पर विरोध जताया, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान के सिंध को अपना बताया था।

हिंदुस्तान मुर्दाबाद और पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे भी लगाए। वैंकुवर में हुए इस प्रदर्शन में खालिस्तान समर्थकों के हाथों में पाकिस्तान का झंडा भी था। इससे पहले भी कनाडा के विभिन्न शहरों में भारत विरोधी प्रदर्शन हो चुके है। ओटावा शहर में सात दिन पहले ही गैर कानूनी खालिस्तान जनमत संग्रह का आयोजन किया गया था। आयोजकों का दावा था कि ओंटेरियो, अल्बर्टा, ब्रिटिश कोलंबिया और क्यूबेक प्रांतों से 53,000 से ज्यादा खालिस्तान समर्थक वोट डालने आए। इस दौरान भारतीय ध्वज तिरंगे का अपमान भी किया गया था।

हिंदू मंदिर के बाहर करते रहे नारेबाजी : ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर में खालिस्तानी समर्थक एक हिंदू मंदिर के बाहर जुटे। उन्होंने हाथों में हरदीप सिंह निज्जर के पोस्टर रखे थे। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पोस्टर भी रखे थे। प्रधानमंत्री के पोस्टर पर हिंदू टेरेरिस्ट लिखा था। मंदिर के बाहर नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन की वजह से श्रद्धालुओं परेशान हुए।

दिल्ली ब्लास्ट: डॉ. शाहीन की कार से मिली असाल्ट राइफल-पिस्टल

● अल-फलाह यूनिवर्सिटी में खड़ी ब्रेजा कार में छिपाई थी; एनआईए ने 30 डॉक्टरों के लिए बयान

फरीदाबाद, एजेंसी। दिल्ली ब्लास्ट के आतंकी मॉड्यूल में शामिल लेडी डॉक्टर शाहीन सईद को लेकर लगातार खुलासे हो रहे हैं। ब्लास्ट के बाद शाहीन को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद अल-फलाह यूनिवर्सिटी में खड़ी उसकी ब्रेजा कार से जांच के दौरान एक ÷क्रिनकोव÷ असाल्ट राइफल और एक विदेशी पिस्टल बरामद हुई थी।

13 नवंबर को बरामद इस कार की जानकारी अब सामने आई है। यही वह कार है, जिसे 25 सितंबर 2025 को खरीदा गया था। एजेंसी से कार की डिलीवरी के समय डॉ. शाहीन के साथ डॉ. मुजम्मिल शकील भी था। सोशल मीडिया अकाउंट पर इसकी तस्वीर डाली गई थी।

सूत्रों के मुताबिक, डॉ. शाहीन की कारों को अक्सर डॉ. मुजम्मिल इस्तेमाल करता था। जिन गाड़ियों में विस्फोटक सामग्री की ढुलाई की गई थी, वे भी डॉ. शाहीन और डॉ. उमर नबी के नाम ही थी। इसी बीच यूनिवर्सिटी में जब शाहीन के कमरे की तलाशी ली तो वहां बनाए गए सीक्रेट लॉकर से 18.50 लाख कैश, सोने के 2 बिस्कुट, खाड़ी देशों की करेंसी बरामद हुई थी।

भागवत बोले- दुनिया मोदी को ध्यान से सुनती है, यह भारत की बढ़ती ताकत दिखाता है

अब देश को सही स्थान मिल रहा है

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि आज विश्व मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात ध्यान से सुनी जाती है और यह भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत दिखाता है। भारत अब दुनिया में अपना उचित स्थान प्राप्त कर रहा है। भागवत सोमवार को पुणे में RSS के 100 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने सुझाव दिया कि संगठनों को केवल वर्षगांठों या शताब्दियों का इंतजार नहीं करना चाहिए, बल्कि निर्धारित समय में अपने कार्य पूरे करने पर ध्यान देना चाहिए।

RSS चीफ ने कहा- हमारे संगठन ने 100 साल पूरे कर लिए हैं, कई चुनौतियों का सामना किया है, लेकिन हमें यह भी सोचना चाहिए कि पूरे समाज को एकजुट करने में इतना समय क्यों लगा।

इतिहास में यह दर्ज है कि जब भारत उभरता है तो दुनिया की समस्याएं कम होती हैं और शांति स्थापित होती है। आज वैश्विक हालात भी यही मांग कर रहे हैं, और इसी मिशन के लिए संघ के स्वयंसेवक शुरुआत से काम कर रहे हैं।

संघ संवाद, सामूहिकता और विविधता में एकता की बात पूरे समाज के संदर्भ में करता है। हमारी जड़ें विविधता में एकता में हैं। हमें साथ चलना है और इसके लिए धर्म आवश्यक है। भारत में सभी दर्शन एक ही स्रोत से निकले हैं, इसलिए हमें तालमेल के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

भागवत बोले- संघ का काम बहुत कठिन हालात में शुरू हुआ

कार्यक्रम में मोहन भागवत ने RSS के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार को याद किया। उन्होंने कहा कि संघ का काम बहुत कठिन हालात में शुरू हुआ था और शुरू में यह भी नहीं पता था कि मेहनत सफल होगी या नहीं। लेकिन स्वयंसेवकों ने लगातार मेहनत, त्याग और समर्पण से सफलता की नींव रखी।

मुंबई समेत 10 शहरों में रामी ग्रुप ऑफ होटल्स के 38 ठिकानों पर आयकर का छापा

मुंबई, एजेंसी। आयकर विभाग (आईटी) की टीम मंगलवार सुबह से मुंबई समेत देशभर के 10 शहरों में रामी ग्रुप ऑफ़ होटल्स से जुड़े 38 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

आयकर विभाग ने इस कार्रवाई की अभी आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। सूत्रों ने बताया कि आईटी की टीम रामी ग्रुप आफ होटल्स के सांताक्रुज स्थित मुख्यालय और दादर पूर्व स्थित होटल के साथ ग्रुप के मालिक के आवास पर भी छापेमारी कर रही है। यह कार्रवाई कर चोरी के सिलसिले में की जा रही है। मुंबई सहित देशभर के 10 शहरों के कुल 38 ठिकानों पर यह कार्रवाई शुरू हुई है। इसके अलावा वरदराज मंजप्पा शेट्टी से जुड़े ठिकानों पर भी छापेमारी की जा रही है।

जनता के मुद्दों से कांग्रेस और विपक्ष का कोई सरोकार नहीं, संसद में हंगामे पर केंद्रीय मंत्रियों ने जवाब दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद में एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ विपक्ष के हंगामे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने पलटवार किया है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जनता के मुद्दों से कांग्रेस और विपक्ष का कोई सरोकार नहीं है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस 140 साल पुरानी है, फिर भी वह बच्चों की तरह व्यवहार करती है। आज तक कांग्रेस मुद्दों को नहीं समझती है। उन्होंने कहा, बिहार के लोगों ने एसआईआर पर अपना जवाब पहले ही दे दिया है, लेकिन कांग्रेस घुसपैठियों को बचाना चाहती है। मुद्दे में दम होता तो एक कार में विधायक नहीं होते। बिहार में सिर्फ एक कार में बैठने लायक ही कांग्रेस के विधायक हैं। जनता के मुद्दों से कांग्रेस और विपक्ष का कोई सरोकार नहीं है।

विपक्ष को चुनौती देते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उन्हें संसद में गांवों और किसानों के मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए थी। अगर विपक्ष में हिम्मत है तो ऐसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने का काम करे। उन्होंने कहा, विपक्ष के पास न कोई दिशा है और न कोई मुद्दा है। ऐसे मुद्दे, जो जनता के बिल्कुल नहीं हैं, उन पर संसद को चलने नहीं दिया जा रहा है।

एसआईआर के विषय पर विपक्ष के हंगामे को लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी और कहा कि सरकार चर्चा के लिए बिल्कुल तैयार है।

संसद में एसआईआर को लेकर विपक्ष के विरोध पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, मुझे लगता है कि बिहार चुनाव और उसके नतीजों के बाद, संसद का फ्लोर ही विपक्ष के लिए खुद को जरूरी महसूस कराने की एकमात्र जगह बची है।

उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने विघटन की राजनीति के बजाय विकास की राजनीति को प्राथमिकता दी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व को स्वीकारा है।

रेणुका चौधरी ने बाहर तो राहुल गांधी ने अंदर किया सदन का अपमान : संबित पात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने सदन की गरिमा को भंग करने की कोशिश की है। राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है और आप देख रहे हैं कि कल से आज तक का सफर किस प्रकार का रहा है। कुछ देर पूर्व संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा है कि बैठक होगी, सभी विषयों पर चर्चा की जाएगी। जिस प्रकार से संसद के सदस्यों को और सांसद की बिल्डिंग के अंदर काम कर रहे सभी कर्मचारियों को कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के सर्वोच्च नेता ने अपने बयान से बहुत अपमानित किया है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र में संसद सर्वोच्च मंदिर होता है। उसकी अपनी एक गरिमा, प्रतिष्ठा और मर्यादा होती है। संसद के अंदर चाहे वो सांसद हो

या सफाई कर्मचारी हो, सभी की प्रतिष्ठा होती है, क्योंकि हम सब किसी न किसी तरीके से जनता से जुड़े हुए हैं। उस मंदिर की सफाई में अर्थात लोकतंत्र को स्वच्छ एवं सुंदर रखने में लगे हैं। रेणुका चौधरी खुद एक सम्मानित सांसद हैं। वो अपना कुत्ता लेकर आई थीं। जब मीडिया ने उनसे पूछा, तो उन्होंने कहा, वो काटता नहीं है। काटने वाले अंदर बैठकर सरकार चला रहे हैं। ये सदन की गरिमा को भंग करने का प्रयास है।

राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा, कांग्रेस के दुख की कल्पना कीजिए। कांग्रेस की एक सांसद संसद के अंदर बैठे अपने ही साथियों के लिए ऐसी अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल कर रही है। यहां तक कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी पहले तो हैरानी जताई कि संसद में कुत्तों को आने की इजाजत नहीं है। बाद में उन्होंने और आगे बढ़कर सदन की ओर इशारा करते हुए बेइज्जती से कहा कि कुत्तों को अंदर आने की इजाजत है। इससे वह सरकार की बेइज्जती नहीं कर रहे हैं। वह अपनी ही पार्टी के सदस्यों की बेइज्जती कर रहे हैं जो सांसद के अंदर बैठे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी और राहुल गांधी दोनों के बयानों से संसद की मर्यादा और गरिमा को ठेस पहुंची है। उन्हें याद रखना चाहिए कि सांसद होने के साथ क्या जिम्मेदारी आती है। जिस प्रकार रेणुका चौधरी ने विवेकहीनता के साथ जवाब दिया कि असली डसने और काटने वाले पार्लियामेंट में बैठे हैं, सरकार चलाते हैं, मैं उन शब्दों का प्रयोग नहीं करूंगा, लेकिन मुझे दुख होता है कि कांग्रेस की हताशा का स्तर ये हो सकता है कि उनके सांसद इस प्रकार की भाषा का प्रयोग संसद में बैठे अपने साथियों के लिए कर सकते हैं।

संबित पात्रा ने कहा कि आज दूसरा विषय संचार साथी का है। हम इस पर भी जानकारी देंगे कि कैसे ये जनता के लिए फायदेमंद है। जो दुष्प्रचार के साथी हैं, वो संचार साथी को समझ नहीं पाएंगे। इसलिए उन दुष्प्रचार के साथियों को हम तथ्य बताएंगे, वो फिर भी समझ नहीं पाएंगे। मगर जनता-जनार्दन तक तथ्य पहुंचाना हमारा काम है। पात्रा ने कहा कि संचार साथी के बारे में बहुत सारी गलत जानकारी है, इसलिए भ्रम खत्म करने के लिए मैं जानकारी के साथ बताना चाहता हूं। संचार साथी के साथ सरकार का आप पर जासूसी करने का कोई इरादा नहीं है।

रैन बसेरा में लगी आग, झुलसकर दो लोगों की मौत ; दमकल ने डेढ़ घंटे में पाया काबू

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के वसंत विहार के कुली कैंप स्थित रैन बसेरा में आग लग गई। हादसे में दो लोगों की झुलसकर मौत हो गई। मरने वालों की शिनाख्त 18 साल के अर्जुन और 42 साल के विकास के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके पर पहुंची दमकल की चार गाड़ियों ने डेढ़ घंटे में आग पर काबू पाया। आग बुझाने के बाद तलाशी के दौरान दोनों का शव पूरी तरह से झुलसी अवस्था में मिली। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

डीआरआई ने 10.42 करोड़ रुपये कीमत की 45,984 ई-सिगरेट जब्त कीं, 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्रालय के तहत राजस्व खुफिया विभाग (डीआरआई) ने तमिलनाडु के तूतीकोरिन बंदरगाह पर ई-सिगरेट तस्करी के बड़े गैंग का भंडाफोड़ किया है। इस अभियान में 10.42 करोड़ रुपये कीमत की 45,984 ई-सिगरेट जब्त कीं और तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को जानकारी दी कि राजस्व खुफिया विभाग (डीआरआई) ने तूतीकोरिन पोर्ट पर 10.41 करोड़ रुपये की बैन इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट से जुड़े एक बड़े स्मगलिंग ऑपरेशन का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। डीआरआई ने 27 नवंबर को विशेष जानकारी के आधार पर कि ई-सिगरेट की तस्करी में शामिल एक गैंग ने छाते की आड़ में तूतीकोरिन पोर्ट के जरिए चीन से ई-सिगरेट वाले एक कंटेनर भारत में लाने की योजना को रोका और उसकी जांच की। मंत्रालय के मुताबिक राजस्व खुफिया विभाग को उस कंटेनर की जांच के दौरान कुछ कार्टन में छातों का माल मिला, जबकि एक बड़े हिस्से में उनके पीछे ई-सिगरेट छिपी हुई मिली। इसमें अलग-अलग फ्लेवर की कुल 45,984 ई-सिगरेट मिली, जिनकी कुल कीमत 10.41 करोड़ रुपये थी, जिसे 4,300 छातों के साथ छिपाई गई थीं, जिनकी कीमत 4.30 लाख रुपये थी। एजेंसी ने उन्हें 27 नवंबर को कस्टम्स एक्ट, 1962 के नियमों के तहत बरामद करके जब्त कर लिया।

आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस ने तमिलनाडु आधारित फर्जी फ्रेंच वीज़ा गिरोह का भंडाफोड़, मुख्य एजेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस ने फर्जी वीजा रैकेट के खिलाफ लगातार चल रही कार्रवाई के तहत एक बड़े अंतरराज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह तमिलनाडु और तिरुचिरापल्ली जिलों में सक्रिय था और भारतीय युवाओं को फ्रांस में नौकरी दिलाने के नाम पर फर्जी फ्रेंच डी-टाइप वीज़ा उपलब्ध कराता था। पुलिस ने मामले में मुख्य एजेंट वी. कन्नन को तमिलनाडु से गिरफ्तार कर लिया है। जबकि उसके सहयोगियों की तलाश जारी है।

आईजीआई एयरपोर्ट के पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने मंगलवार को बताया कि 28 अक्टूबर 2025 को तीन भारतीय यात्री नवीराज सुब्रमणियम (23), मोहन गांधी इलंगोवन (38)और प्रभाकरण सेंथिलकुमार (28) पेरिस जाने के लिए टर्मिनल-3 पर इमिग्रेशन काउंटर पर पहुंचे। जांच के दौरान उनके पासपोर्ट पर लगे फ्रेंच डी-टाइप वीज़ा संदिग्ध पाए गए और महत्वपूर्ण सुरक्षा फीचर्स से रहित होने के कारण फर्जी घोषित किए गए। इसके बाद आईजीआई एयरपोर्ट थाने में बीएनएस और पासपोर्ट अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि नवीराज का वीज़ा उसके भाई ने 6 लाख रुपये में कराया, जबकि मोहन गांधी और प्रभाकरण के फर्जी वीज़ा एक स्थानीय एजेंट ने 12ङ्क12 लाख रुपये में उपलब्ध कराए।

पुलिस उपायुक्त के अनुसार मामले को गंभीरता से लेते हुए इंस्पेक्टर वीरेंद्र त्यागी की देखरेखा में पुलिस टीम ने तकनीकी निगरानी और स्थानीय इनपुट के आधार पर 55 वर्षीय एजेंट वी. कन्नन को तमिलनाडु के नंजई अडियार से दबोचा। पूछताछ में कन्नन ने बताया कि वह परमाथी में एक सरकारी संबद्ध आईटीआई चलाता है और साथ ही वेट्री ओवरसीज़ नाम से ओवरसीज़ एजुकेशन कंसल्टेंसी भी ऑपरेट करता है।

आगे आरोपित ने बताया कि वह अपने साथी साथिक सैयद के साथ मिलकर अब तक 16 युवाओं को पेरिस में वेयरहाउस नौकरी का झांसा देकर फर्जी वीज़ा दिला चुका है। राशि का भुगतान बैंक ट्रांसफर और नकद–दोनों तरीकों से लिया जाता था। आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस ने बताया कि नवंबर 2025 में कुल 26 लोगों को फर्जी वीज़ा/पासपोर्ट मामलों में गिरफ्तार किया गया। जिनमें 6 एजेंट शामिल हैं। वहीं, हवाई अड्डे पर अवैध गतिविधियों और दलाली पर नकेल कसते हुए 28 को दबोचा गया।

डेमोक्रेसी का ड्रामा करने वाले हमें लेक्चर नहीं दे सकते : प्रियंका चतुर्वेदी

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान विपक्ष एसआईआर के विषय पर चर्चा की मांग को लेकर अड़ा है। सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही से पहले शिवसेना-यूबीटी की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि जो लोग ड्रामा की बात करते हैं और डेमोक्रेसी का ड्रामा करते हैं, वे हमें लेक्चर नहीं दे सकते। सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने मंगलवार को आईएएनएस से बातचीत में कहा, अगर आप एसआईआर करना चाहते हैं, तो देखिए कि इसे कैसे लागू किया जा रहा है। बीएलओ लगातार भेजे जा रहे हैं और 30 से ज्यादा लोग मर चुके हैं। इससे पता चलता है कि किस तरह का दबाव और टारगेट थोपा जा रहा है। फिर भी सही, बड़े पैमाने पर चर्चा की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा, जो लोग ड्रामा की बात करते हैं और डेमोक्रेसी का ड्रामा करते हैं,

वे हमें लेक्चर नहीं दे सकते। चुनाव आयोग, एजेंसियों और संविधान को कमजोर किया जा रहा है। अगर हम इन मुद्दों को संसद में नहीं रखेंगे, तो हम इन्हें कहां उठाएंगे शिवसेना-यूबीटी की नेता ने अपनी मांग रखते हुए कहा, हमसे हर विषय पर चर्चा के लिए कहा गया है, लेकिन हमारा भी कहना है कि 15 दिन के सत्र में अगर आप 10 विधेयक लाते हैं, तब दो हमारे मुद्दों पर भी चर्चा होनी चाहिए। हम भी चाहते हैं कि सदन चले। हमारा बार-बार यही कहना है कि सरकार को हमारी मांगों पर भी व्यापक चर्चा करने दे। वंदे मातरम के विषय पर प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, इस बार हमें बताया गया है कि वंदे मातरम को लेकर चर्चा होगी। लेकिन किसी ने यह प्रश्न नहीं पूछा कि वंदे मातरम और जय हिंद जैसे नारे राज्यसभा में नहीं लगाए जा सकते।

साढ़े तीन लाख पौधे बढ़ाएंगे हरियाली, दक्षिणी दिल्ली में एक साल में लगाए जाएंगे 1.30 लाख पेड़

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने तय किया है कि शहर में जहां भी खाली जगह है, उसे हरियाली से भर दिया जाए। इसके लिए वन विभाग दक्षिणी दिल्ली में ऐसा हरित अभियान शुरू करने जा रहा है, जिसमें करीब साढ़े तीन लाख पौधे लगाए जाएंगे और उनकी पूरी देखभाल भी की जाएगी ताकि वे शहर की खोती सांसें वापस ला सकें।

दिल्ली की हवा यदि बीमार है तो उसका इलाज भी कुदरत के पास ही है। यही वजह है कि दक्षिण वन प्रभाग दक्षिणी दिल्ली के जंगलों और खाली पड़ी जगहों पर साढ़े तीन लाख से ज्यादा पौधे लगाने का अभियान शुरू करने के लिए ई टेंडर जारी किया है। सरकार ने तय किया है कि दिल्ली में उतने ही तेजी से पेड़ बढ़ाए जाएंगे, जितनी तेजी से प्रदूषण बढ़ा है ताकि हरियाली जहरीली हवा सोखकर शहर को प्राणवायु दे सके। दक्षिण रेंज में कुल 1,30,000 पेड़, 1,80,000 झाड़ियां और 50,000 बांस लगाए जाएंगे। ये ऐसे पौधे होंगे जो दिल्ली की जलवायु में जल्दी जमे, अधिक बढ़ें और धूल व प्रदूषक कणों को अपने भीतर समेटने की क्षमता रखते हों। वन विभाग का मानना है कि इतने बड़े पैमाने पर पौधारोपण से दक्षिणी दिल्ली के जंगलों में हरित आवरण मजबूत होगा और हवा को प्राकृतिक फिल्टर मिलेगा।

मैक्रों से मुलाकात बाद बदले जेलेंस्की के सुर, बोले- ट्रंप की शांति योजना अब बेहतर दिख

पेरिस, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि ट्रंप प्रशासन की शांति योजना में किए जा रहे संशोधनों में प्रगति हो रही है और यह ''अब बेहतर लग रही है। उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात के बाद पेरिस में यह टिप्पणी की, जहां रूस के लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने पर चर्चा हुई। इसी बीच, रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास क्रेमलिन ने पुष्टि की कि व्लादिमीर पुतिन मंगलवार को अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ से मिलेंगे। विटकॉफ की भूमिका पर तब सवाल उठे थे जब एक खबर आई कि उन्होंने पुतिन के सलाहकार को यह सुझाव दिया था कि शांति योजना पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कैसे मनाया जाए। जेलेंस्की की पेरिस यात्रा उस बैठक के बाद हुई जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने यूक्रेन-अमेरिका वार्ताओं को ''लाभप्रद बताया। दोनों पक्ष अमेरिकी मसौदा शांति योजना में सुधार कर रहे हैं। यह योजना अमेरिका एवं रूस ने आपस में बातचीत करके तैयार की है।

लेकिन योजना की इस बात को लेकर आलोचना की जा रही है कि उसमें रूसी मांगों पर अधिक ध्यान दिया गया है। क्रेमलिन ने सोमवार देर रात दावा किया कि रूस ने दोनेत्स्क क्षेत्र के प्रमुख शहर पोक्रोव्स्क पर कब्जा कर लिया है, जबकि जेलेंस्की ने कहा कि वहां लड़ाई जारी है। जेलेंस्की ने यूक्रेन के क्षेत्रों पर नियंत्रण को ''सबसे जटिल मुद्दा बताया। फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि वार्ताएं अभी शुरुआती चरण में हैं, लेकिन यह वार्ता यूक्रेन में शांति और यूरोप में सुरक्षा के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है। ट्रंप ने यूक्रेन और अपने यूरोपीय सहयोगियों की आलोचनाओं के बाद अपनी 28-सूत्रीय योजना को अब केवल एक ''संकल्पना बताया है, जिसे ''और बेहतर बनाया जाएगा। इसकी यह कहकर आलोचना की गयी कि इससे यूक्रेन की सेना सीमित होती, उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में उसकी सदस्यता रुक जाती और उसे क्षेत्र छोड़ना पड़ता। मैक्रों ने पश्चिमी देशों से यूक्रेन को मजबूत सुरक्षा गारंटी देने की अपील की और कहा कि आने वाले दिनों में अमेरिकी और यूरोपीय अधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण वार्ताएं होंगी। इस बीच, रूस ने यूक्रेन पर उसके तेल ढांचे पर हमलों का आरोप लगाया और दावा किया कि उसकी सेना ने 32 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। वहीं, रूस के मिसाइल हमले में ड्नीप्रो शहर में चार लोग मारे गए और 40 घायल हुए। यूक्रेन ने कहा कि नवंबर में रूस ने हजारों ड्रोन और मिसाइलें दागीं।

पाकिस्तान में नवंबर में आतंकी हमले बढ़े, जवाबी कार्रवाई में 292 लोग मारे गए-रिपोर्ट

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान को साल का गुजर चुका महीना नवंबर गहरे जख्म दे गया। इस माह सारे देश में आतंकी हमले बढ़े। हमलावरों के खिलाफ सुरक्षा बलों की कार्रवाई 292 लोग मारे गए। इस्लामाबाद के थिंक टैंक पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज़ (पीआईसीएसएस) ने मासिक रिपोर्ट में आंकड़े जारी कर यह जानकारी दी।

डान अखबार ने अपनी रिपोर्ट में पीआईसीएसएस के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। विश्लेषण के अनुसार, नवंबर में पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों में थोड़ी बढ़ोतरी हुई। इस दौरान आम लोगों की मौत में 80 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी और सुरक्षा बलों के नुकसान में 65 फीसद की कमी देखी गई। थिंक टैंक ने अपनी नवीनतम मासिक रिपोर्ट में कहा कि नवंबर में देश भर में सरकार विरोधी हिंसा और सुरक्षा बलों के जवाबी कदमों में 292 लोग मारे गए और 164 घायल हुए। पीआईसीएसएस ने कहा कि सुरक्षा बलों ने पुराने हमलों से सबक लेते हुए नवंबर में अधिक सोच-समझकर कार्रवाई की। इससे उसके नुकसान में भारी कमी आई। अक्टूबर में सुरक्षा बलों के 72 जवान और अधिकारी मारे गए थे। नवंबर में यह संख्या घटकर 25 हो गई यानी लगभग 65 फीसद की कमी आई। हालांकि, आम लोगों की मौतें 80 फीसद बढ़ गईं। अक्टूबर में 30 लोगों की मौत हुई थी। नवंबर में यह संख्या बढ़कर 54 हो गई।

थिंक टैंक ने दावा किया कि नवंबर में मारे गए कुल 292 में लोगों से 206 आतंकवादी हैं। इस दौरान आतंकवाद ने सरकार समर्थक शांति समितियों के सात सदस्यों की भी जान ले ली। घायलों में 83 सुरक्षा बल के जवान, 67 आम लोग, 10 विद्रोही और चार शांति समितियों के सदस्य शामिल है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में नवंबर में 97 आतंकी हमले हुए। अक्टूबर यह संख्या 89 थी। नवंबर में खैबर पख्तूनख्वा सबसे ज्यादा अशांत रहा। रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर में चार आत्मघाती बम धमाके हुए। अक्टूबर में सिर्फ एक आत्मघाती बम धमाका हुआ था। । इन हमलों में 31 लोग मारे गए। इस साल के 11 महीनों में 24 आत्मघाती हमले हुए। थिंक टैंक के अनुसार, कुल मिलाकर, 2025 के पहले 11 महीने बहुत ज्यादा खूनी रहे हैं। जनवरी और नवंबर 2025 के बीच लड़ाई में कुल 3,144 लोगों की जान गई। इसमें लोगों के आपसी लड़ाई-झगड़े भी शामिल हैं।

इमरान खान के समर्थकों में आक्रोश, रावलपिंडी में हल्लाबोल के बीच प्रशासन ने लगाए प्रतिबंध

रावलपिंडी एजेंसी। पाकिस्तान में इमरान खान के समर्थकों में आक्रोश बढ़ रहा है। उनके राजनीतिक दल- पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता-कार्यकर्ता और इमरान समर्थकों ने रावलपिंडी में मेगा प्रोटेस्ट यानी बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई है। इसी बीच प्रशासन ने इमरान समर्थकों के एक जगह जमा होने और विरोध-प्रदर्शन जैसी गतिविधि पर प्रतिबंध लगाने का एलान किया है। रावलपिंडी प्रशासन, पुलिस और सेना इमरान के समर्थकों के गुस्से से निपटने के लिए मुस्तैद है।

राजनीतिक रैलियों और जुलूस पर भी प्रतिबंध : रिपोर्ट्स के मुताबिक इमरान खान के समर्थक रावलपिंडी में पांच या इससे अधिक लोगों के जमा होने पर रोक लगा दी गई है। किसी भी तरह की सभा, जलसे, धरने, राजनीतिक रैलियों और जुलूस को भी प्रतिबंधित किया गया है। डिप्टी कमिश्नर डॉ. हसन वकार चीमा की तरफ से जारी आदेश के मुताबिक सरकार ने रावलपिंडी में धारा

144 लागू कर दी है। सरकार ने कहा है कि नागरिकों पर हथियार, कीलें, लदे हुए डंडे, गुलेल, बॉल बेयरिंग, पेट्रोल बम, विस्फोटक या कोई अन्य उपकरण ले जाने पर रोक लगाई गई है।

मरान के समर्थकों में क्यों बढ़ रहा है गुस्सा : गौरतलब है कि पाकिस्तान की वर्तमान सरकार और सेना पर इमरान खान को प्रताड़ित करने के आरोप लग रहे हैं। पहले इमरान की बहनों ने कहा कि अदियाला जेल में उनसे मिलने का प्रयास करने पर उन्हें निराशा हाथ लगी। बाद में बड़ी संख्या में पीटीआई समर्थकों ने जेल के बाहर धरना भी दिया। इमरान समर्थकों की भावनाओं को देखते हुए सरकार ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए जरूरी प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया है। इसके तहत 1 से 3 दिसंबर तक पाबंदियां लागू रहेंगी।

पाकिस्तान के पूर्व PM के परिवार का बयान : दरअसल, इमरान के राजनीतिक दल- पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं और उनके परिजनों ने उनसे मिलने की अनुमति मांगी है। सरकार ने उन्हें रावलपिंडी की अदियाला जेल में रखा है। एहतियात बरतते हुए लगाए गए प्रतिबंधों के बारे में प्रशासन ने कहा, खुफिया जानकारी मिली है कि कुछ समूह विरोध-प्रदर्शन की आड़ में कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की ताक में हैं। प्रमुख प्रतिष्ठानों और संवेदनशील जगहों पर हिंसा की आशंका को देखते हुए प्रतिबंध लगाए गए हैं। बेटों ने सेहत को लेकर चिंता जताई प्रशासनिक पाबंदियों और जेल में मुलाकात की अनुमति नहीं देने के बीच इमरान खान के परिवार का आरोप है कि बीते एक महीने से उन्हें मिलने की अनुमति नहीं दी गई है। परिजनों ने सरकार और जेल प्रशासन से उनके जिंदा होने का सबूत मांगा है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक इमरान के बेटे कासिम ने कहा, साप्ताहिक मुलाकात के न्यायिक आदेश के बावजूद सीधी मुलाकात या संपर्क से रोका जा रहा है। इस बात की जानकारी न होना कि पिता सुरक्षित, घायल या जीवित हैं, मनोवैज्ञानिक यातना जैसा है। उन्होंने कहा कि पिता को मृत्युदंड पाने वाले कैदियों की तरह अलग सेल में रखा गया है।

सरकार उनके बारे में ठोस जानकारी नहीं दे रही है। इस कारण हमारा सबसे बड़ा डर यही है कि कुछ ऐसा छिपाया जा रहा है, जो ठीक नहीं है। भीषण संघर्ष के मुहाने पर पड़ोसी देश दरअसल, पाकिस्तान का वर्तमान संकट इमरान खान बनाम सेना की लड़ाई से कहीं बड़ा हो चुका है। अब सत्ता का दांव सिर्फ राजनीतिक वर्चस्व का नहीं, बल्कि सेना के संस्थागत प्रभुत्व, प्रांतों की क्षेत्रीय पहचान और अर्थव्यवस्था की बुनियादी जीवंतता से जुड़ चुका है। सैन्य रणनीति, जनसमर्थन का भूगोल और आर्थिक दिवालियापन एक दूसरे से टकराते हैं तो देश खतरनाक मायनों में पुनर्गठन के दौर में प्रवेश करता है। पाकिस्तान में भी यही हो रहा है। विद्रोह की सुलगती चिंगारी से वह भीषण संघर्ष के मुहाने पर पहुंच चुका है।

रीवा रेंज का 'करप्शन डोजियर' गायब!

आईजी के धमाकेदार दावे पर अब उठ रहा तूफ़ान, सूची बनी थी या बस हवा का गुब्बारा?

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रेंज पुलिस में करप्शन की जड़ों को काट फेंकने का दावा करने वाले आईजी द्वारा घोषित 'करप्ट पुलिसकर्मियों की सूची' अब एक ऐसे दस्तावेज़ का रूप ले चुकी है जिसकी मौजूदगी पर ही सवाल उठने लगे हैं। यह सूची कभी आईजी के शब्दों की गूँज बनकर मंच से उछली थी—इतनी तीखी चेतावनी के साथ कि 'अगर मैंने कार्रवाई कर दी, तो कुछ पुलिसकर्मियों के घरों में लोग सिर उठाकर चल नहीं पाएँगे।'

लेकिन महीनों बाद भी यह दावा किसी फ़ाइल की धूल में बदलता दिखता है। न सूची सामने आई, न कार्रवाई के संकेत, और न ही वह पारदर्शिता जिसकी उम्मीद जनता से लेकर विभाग तक सभी कर रहे थे। विभागीय गलियारों के अनुसार, सूची तैयार की गई थी—या कम से कम इस बात का कड़ा भरोसा बनाया गया था। मगर अब यह सूची किसी अदृश्य कैबिनेट में ऐसे कैद है जैसे कोई रहस्य जिसे बाहर लाना किसी के लिए असहज हो सकता है। कई वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि मामला इतनी पेचीदगियों और हित-संघर्षों से भरा है कि सूची का सार्वजनिक होना कई बड़े सवाल खड़े कर सकता है।

रेंज में अब यह चर्चा चुपचाप नहीं रह गई है। चौकियों से लेकर सर्कल कार्यालयों तक, हर जगह यह सवाल हवा में मंडरा रहा है—
जब तक आईजी अपनी कही बातों को स्पष्ट नहीं करते—
जब तक सूची सार्वजनिक नहीं होती—

सूत्रों की मानें तो जिन पुलिसकर्मियों पर संदिग्ध गतिविधियों, बाहरी गठजोड़ और अवैध संरक्षण के आरोप लगते रहे, वे आज भी तंत्र में उसी सहजता से सक्रिय हैं। इन्हीं आरोपों के कारण आईजी की पहले की घोषणा को विभागीय क्रांति की शुरुआत माना गया था, लेकिन अब वही क्रांति काग़ज़ों की भीड़ में खो चुकी प्रतीत होती है।

ऐसे समय में जब पुलिस महकमे से पारदर्शिता और कठोर कार्रवाई की उम्मीदें लगातार बढ़ रही हैं, सूची का गायब रहना कई तरह के संदेहों को जन्म दे रहा है। विभाग के भीतर कई कर्मचारी मानते हैं कि यह देरी तंत्र की विश्वसनीयता को लगातार कमज़ोर कर रही है। वहीं, जनता में यह धारणा मजबूत हो रही है कि करप्शन पर कार्रवाई सिर्फ भाषणों में है, ज़मीनी स्तर पर नहीं।

रीवा रेंज में पहले से ही कई बड़े मामलों में कथित ढिलाई और संदिग्ध निर्णयों की चर्चाएँ चल रही हैं। ऐसे में 'करप्ट कर्मियों की सूची' का रहस्य और भी गहरा होता जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि यदि सूची सार्वजनिक होती है, तो इससे न सिर्फ कुछ अधिकारियों की प्रतिष्ठा, बल्कि विभाग की संरचना भी झटके खा सकती है।

हालाँकि कुछ अधिकारी इसे जल्दी कार्रवाई का संकेत बताते हैं और दावा करते हैं कि 'प्रक्रिया जारी है', लेकिन इस प्रक्रिया की गति ऐसी है कि अब लोग इसे उम्मीद से ज़्यादा संशय की नज़र से देखने लगे हैं।

और जब तक उन आरोपित कर्मियों पर ठोस कार्रवाई नहीं दिखती, यह सूची एक आधा-सच, आधा-अफ़वाह बने रहना तय है। रीवा की हवा में आज जो चर्चा तैर रही है, वह सिर्फ अफ़वाह नहीं- वह अधूरी पारदर्शिता की गंध है। और यही गंध विभाग की साख को सबसे तेज़ी से खा रही है।

क्या सूची सच में बनी थी?
यदि बनी थी, तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई?
क्या कुछ प्रभावशाली चेहरों ने इसे दबवाया, या आईजी स्वयं इस सूची में नामों की संवेदनशीलता के चलते पीछे हट गए?

जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत ने सुनी 89 आवेदकों की समस्याएं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला पंचायत सीधी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए 89 आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने प्रत्येक आवेदन पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा करते हुए समस्याओं की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की और शीघ्र, पारदर्शी तथा समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए।

सीईओ ने कहा कि जिन आवेदनों में समय-सीमा निर्धारित है, उन्हें विभागीय अधिकारी प्राथमिकता के साथ लेकर तत्काल समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि समाधान के उपरांत हितग्राही को सूचना देना अनिवार्य है, ताकि आम नागरिकों को त्वरित राहत एवं संतुष्टि मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्यवाही की जाए। जनसुनवाई के दौरान संयुक्त कलेक्टर राजेश शुक्ला, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला, डिप्टी कलेक्टर प्रियल सिंह, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा सहित कई जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। वहीं सभी उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार एवं जनपद पंचायतों के सीईओ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

अस्पताल ब्लड बैंक में बचा 3 यूनिट खून, सिविल सर्जन बोले- लोग केवल ब्लड लेते है दान नहीं करते

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिला अस्पताल का ब्लड बैंक इस समय खून की भारी कमी से जूझ रहा है। मंगलवार को ब्लड बैंक में केवल 3 यूनिट रक्त शेष था। लाखों की आबादी वाले इस जिले में यह स्थिति एनीमिक मरीजों, थैलीसीमिया से पीड़ित बच्चों, गर्भवती महिलाओं और दुर्घटना के मामलों के लिए गंभीर संकट पैदा कर रही है।

सिविल सर्जन डॉ. एसबी खरे ने बताया कि नागरिक रक्तदान नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'लगातार आपातकालीन मामले आते हैं और खून की जरूरत होती है, लेकिन लोग केवल रक्त लेते हैं और दान नहीं करते।' उन्होंने समाजसेवियों से अपील की है और बताया कि जल्द ही रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे।

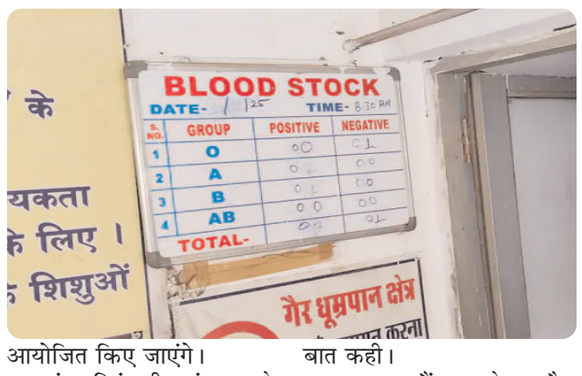

संत निरंकारी संगठन के अध्यक्ष रमेश अग्रवानी ने भी इस स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'लोग केवल जरूरत पड़ने पर रक्त लेते हैं, लेकिन उनके परिजन रक्तदान नहीं करते। इसी वजह से यह संकट उत्पन्न हुआ है।' उन्होंने भी जल्द ही शिविर लगाने और जागरूकता अभियान चलाने की बात कही।

ब्लड बैंक के लैब टेक्नीशियन भीम कुशवाहा ने पुष्टि की कि ब्लड बैंक में केवल तीन यूनिट रक्त बचा है। उन्होंने बताया कि पिछले एक महीने से रक्त की व्यवस्था करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिल पा रही है। इस कमी का खामियाजा मरीजों और उनके परिजनों को भुगतना पड़ रहा है।

देवसर निवासी बृजेश कुमार रजक ने बताया कि उनके बच्चे को थैलीसीमिया है और डॉक्टरों ने तीन यूनिट रक्त चढ़ाने को कहा है। उन्होंने कहा, 'ब्लड बैंक में एक भी यूनिट नहीं है। हम तीन दिन से परेशान हैं।' इसी तरह, बहेरा निवासी सरदार केवट ने अपनी परेशानी बताते हुए कहा कि मैं एक सप्ताह से रक्त की तलाश में भटक रहा हूं, लेकिन एक बूंद भी नहीं मिली। मरीज की जान कैसे बचेगी?

रक्त की इस किल्लत का सीधा असर जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था पर पड़ रहा है। दुर्घटना के मामलों से लेकर खून की कमी वाले मरीज तक, बड़ी संख्या में अब रीवा के संजय गांधी अस्पताल रेफर किए जा रहे हैं।

30 हजार का इनामी पुलिस ने नाशिक से पकड़ा, तीन साल पुराने मर्डर केस में वांटेड था

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पुलिस ने तीन साल पुराने हत्या के मामले में फरार चल रहे 30 हजार के इनामी आरोपी अतिबल कोल को महाराष्ट्र के नाशिक से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को नाशिक जिले के सिन्नर क्षेत्र से पकड़ा। उसे सोमवार को सीधी लाया गया और मंगलवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा। थाना रामपुर नैकिन के प्रभारी निरीक्षक सुधांशु तिवारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई थी। इस टीम ने तकनीकी सर्विलांस और जमीनी सूचनाओं के आधार पर आरोपी को धर दबोचा। अगस्त 2022 में अतिबल कोल ने पुरानी रंजिश के चलते अरुण कुमार पाण्डेय पर टांगी से हमला किया था।

शुरुआत में यह मामला गंभीर चोट (धारा 326आईपीसी) के तहत दर्ज किया गया था। हालांकि, 25 मई 2024 को घायल अरुण कुमार पाण्डेय की मौत हो जाने के बाद, मामले को हत्या (धारा 302आईपीसी) में बदल दिया गया। हत्या की धारा जुड़ने के बाद से आरोपी अतिबल कोल लगातार फरार चल रहा था। वह पुलिस को चकमा देने के लिए लगातार राज्यों की सीमाएं बदल रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर, पुलिस टीम ने 28 नवंबर को महाराष्ट्र के नाशिक में उसकी लोकेशन ट्रेस की।

इसके बाद, स्थानीय स्तर पर निगरानी बढ़ाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। इस बड़ी सफलता पर पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने टीम की सराहना की। उन्होंने कहा, 'कानून की पहुंच हर सीमा से ऊपर है। सीधी पुलिस का संकल्प है कि किसी भी पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने में देरी न हो। हमारी टीम की तकनीकी क्षमता, संयम और दृढ़ता ने इस गिरफ्तारी को संभव बनाया है।'

स्कूल बस ने बाइक को टक्कर मारी, रंपा गांव के मोड़ पर हादसा; दो युवक घायल, बच्चे सुरक्षित

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। रंपा गांव के पास मंगलवार को एक बेकाबू स्कूल बस ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल 108 एम्बुलेंस से बैढ़न स्थित ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। बस में सवार स्कूली बच्चों को कोई चोट नहीं आई है। वहीं स्थानीय लोगों ने बस का नंबर नोट कर बच्चों को बस में रवाना कर दिया।

स्थानीय सरस्वती स्कूल की बस छात्रों को छोड़कर वापस लौट रही थी। रंपा गांव के मोड़ पर बस चालक ने बेकाबू हो गई और सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। बाइक पर सवार लल्लूराम साकेत और बीरबल साकेत सड़क पर गिर गए। लल्लूराम को सिर में गंभीर चोट लगी है, जबकि बीरबल के एक पैर में फ्रैक्चर बताया जा रहा है।

तेज रफ्तार के कारण हुई टक्कर: माडा थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा ने बताया कि प्राथमिक जांच में हादसे का कारण बस की तेज और बेकाबू रफ्तार है। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

घटना के बाद ग्रामीणों ने स्कूल बस चालकों की लापरवाही पर नाराजगी व्यक्त की और बच्चों की सुरक्षा के लिए उचित निगरानी की मांग की है। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और सड़क पर सावधानी बरतने की अपील की है, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

कलेक्टर पर हाईकोर्ट ने लगाया 10,000 रुपए का जुर्माना, निर्देशों के पालन में देरी पर हुई कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने सीधी कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी पर 10,000 रुपए का व्यक्तिगत जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना भूमि अधिग्रहण से जुड़े एक मामले में अदालत के निर्देशों का पालन करने में देरी और अधूरा जवाब दाखिल करने के कारण लगाया गया है। हाईकोर्ट ने इस दौरान टिप्पणी की कि जिम्मेदार पदों पर बैठे अधिकारियों द्वारा समय पर निर्देशों का पालन न करना या अस्पष्ट जानकारी देना स्वीकार्य नहीं है। यह मामला सीधी जिले की निवासी सीता सिंह द्वारा दायर एक याचिका से संबंधित है। याचिका में दावा किया गया था कि उनकी भूमि के अधिग्रहण के लिए पहले 1,10,52,000 रुपए का मुआवजा तय किया गया था।

हालांकि, अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी होने के बाद अचानक आदेश बदलकर मुआवजे की राशि 5,40,000 रुपए कर दी गई। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया था कि अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी होने के बाद मुआवजे की राशि घटाना नियमों के खिलाफ है।याचिका पर सुनवाई करते हुए, हाईकोर्ट ने कलेक्टर से स्पष्टीकरण मांगा था कि दूसरा आदेश किस आधार पर पारित किया गया था। निर्धारित समय-सीमा के बावजूद, कलेक्टर कार्यालय द्वारा स्पष्ट और पूर्ण जवाब दाखिल नहीं किया गया। बाद में प्रस्तुत हलफनामे में भी अदालत के सवालों का समुचित उत्तर नहीं दिया गया था।

पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना नवीनीकरण हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सीधी ने जानकारी देकर बताया कि पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के नवीनीकरण आवेदनों के लिए एम.पी. टासपोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ कर दिए गए हैं। यह पोर्टल वर्ष पर्यंत खुला रहेगा, जिससे पात्र विद्यार्थी अपने आवेदन ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकेंगे। सभी शासकीय, अशासकीय एवं नोडल संस्थाओं को निर्देशित किया गया है कि वे अपने संस्थान में अध्ययनरत पात्र विद्यार्थियों को इस संबंध में सूचित करें तथा निर्धारित समयावधि में ऑनलाइन आवेदन करवाना सुनिश्चित करें। संस्थाओं को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि छात्रवृत्ति से संबंधित सूचना संस्थान के सूचना पटल पर प्रदर्शित की जाए, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी इस योजना का लाभ समय-सीमा के भीतर ले सकें।

चितरंगी विधानसभा ने मतदाता पुनरीक्षण में बाजी मारी, प्रथम चरण का 100' कार्य पूरा; मतदाता-संख्या में भी अव्वल

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान में चितरंगी विधानसभा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप, जिले की तीनों विधानसभाओं - चितरंगी, सिंगरौली और देवसर - में चल रहे प्रथम चरण के पुनरीक्षण कार्य में चितरंगी ने निर्धारित समय-सीमा के भीतर 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया है। चितरंगी विधानसभा राज्य मंत्री राधा सिंह का गृह क्षेत्र है और जिले में सर्वाधिक मतदाता संख्या वाला क्षेत्र भी है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में चितरंगी में 2,24,709 मतदाता पंजीकृत थे, जबकि सिंगरौली में 2,20,667 और देवसर में 2,10,407 मतदाता थे। अधिक मतदाता संख्या के बावजूद, बीएलओ और निर्वाचन टीम ने तीव्र गति से कार्य पूरा कर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

टीमवर्क का उदाहरण दिया: जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव बैनल ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची में शुद्धता लाना, डुप्लीकेट या त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों को हटाना और पात्र युवा तथा नए मतदाताओं को जोड़ना है। उन्होंने निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्य पूरा करने के लिए निर्वाचन अमले, विशेषकर बीएलओ, के प्रयासों की सराहना की और इसे टीमवर्क का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। बैनल ने आगे कहा कि जिले के अन्य क्षेत्रों में भी इसी गति और जिम्मेदारी के साथ कार्य जारी है। इसका लक्ष्य आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एक मजबूत, पारदर्शी और त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना है।

उन्होंने बताया कि आगे के चरणों में भी व्यापक सत्यापन अभियान जारी रहेगा और नए तथा पात्र मतदाताओं को विशेष रूप से सूची में शामिल किया जाएगा। सिंगरौली जिले की प्रशासनिक टीम ने विश्वास व्यक्त किया है कि निर्धारित समयावधि के भीतर संपूर्ण जिले की मतदाता सूची को पूरी तरह अद्यतन कर प्रकाशित कर दिया जाएगा।

दिव्यांग बच्चों का ब्लॉक स्तरीय खेलकूद कार्यक्रम कुसमी में सफलतापूर्वक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन तथा जिला शिक्षा केंद्र के मार्गदर्शन में विकासखंड कुसमी में ब्लॉक स्तरीय दिव्यांग बच्चों की खेलकूद एवं सामर्थ्य प्रदर्शन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बीआरसीसी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी के नेतृत्व में हायर सेकेंड्री स्कूल टमसार परिसर में आयोजित हुआ। प्रतियोगिता में कुल 112 दिव्यांग बच्चे शामिल हुए। प्रतिभागियों के लिए 100 मीटर एवं 50 मीटर दौड़, रंगोली, चित्रकला, समूह गायन, एकल गायन, गोला फेंक, भाला फेंक सहित विविध स्पर्धाओं का आयोजन किया गया।

सभी प्रतियोगिताएं उत्साह और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुईं।

कार्यक्रम के अंत में बच्चों को प्रोत्साहन हेतु पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर जनपद सदस्य जमुनी देवी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कुसमी ज्ञानेंद्र मिश्रा, हायर सेकेंड्री स्कूल टमसार के प्राचार्य रामपाल सिंह, प्रभारी प्राचार्य गोतरा कमल नारायण मिश्रा, एम.आर.सी. विवेक मिश्रा, सुदामा पटेल सहित अनेक शिक्षक और अभिभावक उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता पश्चात सभी बच्चों, अभिभावकों और साथ आए शिक्षकों को विधिवत भोजन कराया गया तथा बच्चों को उनके अभिभावकों एवं सहयोगी शिक्षकों के साथ घर के लिए रवाना किया गया।

ग्राम स्तर पर नई चेतना अभियान 4.0 की गतिविधियों का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत और जिला परियोजना प्रबंधक के मार्गदर्शन में 02 दिसम्बर को विकासखंड सिहावल के उजाला सीएलएफ अंतर्गत ग्राम संगठन बल्हैया की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य इकाई से प्राप्त नई चेतना अभियान 4.0 के दूसरे सप्ताह के कैलेंडर अनुसार मीरा की कहानी का प्रस्तुतीकरण, महिला और आजीविका सांप-सीढ़ी खेल, जेंडर शपथ तथा महिला सुरक्षा विषय पर रंगोली बनाकर समाज को संदेश देने जैसी गतिविधियाँ संचालित की गईं।

कार्यक्रम में जिला इकाई से जिला प्रबंधक सूक्ष्म वित्त अजय सिंह, जिला जेंडर नोडल एसआईएसडी हरिराम त्रिपाठी, प्रभारी विकासखंड प्रबंधक राहुल शुक्ला, सीएलएफ नोडल विनोद कुशवाहा, ग्राम संगठन अध्यक्ष बसन्ती पटेल, सचिव विमला कोल, समता समन्वयक ऊषा पटेल, समता सखी गायत्री पटेल, देववती विश्वकर्मा, सामाजिक गतिविधि उपसमिति के सदस्य तथा गाँव के सभी समूह सदस्य उपस्थित रहे। जिला जेंडर नोडल हरिराम त्रिपाठी ने नई चेतना अभियान 4.0 के अंतर्गत पूरे एक माह तक सप्ताहवार गतिविधियाँ संचालित करने की बात कही। उन्होंने समाज में लड़के और लड़कियों के बीच किसी भी प्रकार का भेदभाव न करने, लिंग आधारित असमानता को समाप्त करने और घर-परिवार के निर्णयों तथा संपत्ति के अधिकार में महिलाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित करने पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया।

खेत से लौट रही महिला से दुष्कर्म, सुनसान जगह की वारदात आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र में एक महिला से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। खेत से घर लौटते समय आरोपी ने इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया है। यह घटना सोमवार शाम करीब 7 बजे की है। 22 वर्षीय पीड़िता अपने खेत से पैदल घर लौट रही थी। रास्ते में आरोपी ने उसे रोका और सुनसान जगह का फायदा उठाकर खेत की ओर खींच ले गया। पीड़िता ने मदद के लिए चीख-पुकार की, लेकिन आसपास कोई मौजूद नहीं था। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पीड़िता रोते हुए अपने घर पहुंची और परिजनों को आपबीती सुनाई।

संसद सत्र का औचित्य, शुरुआत हंगामे से ही हुई

संपादकीय

संसदीय प्रक्रिया के लिए यह कोई शुभ संकेत नहीं कि विधेयक बिना किसी चर्चा के पारित हो जाएं। यदि विधेयक बिना चर्चा पारित होने लगेंगे तो फिर संसद सत्र बुलाने का औचित्य ही खत्म हो जाएगा। हैरानी नहीं कि संसद के इस सत्र में कुछ और विधेयक बिना चर्चा के ही पारित हो जाएं। इस सिलसिले को रोका जाना चाहिए और यह तब रुकेगा, जब पक्ष-विपक्ष संसद चलाने को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे।

जैसी आशंका थी, वैसा ही हुआ, संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत हंगामे से ही हुई। सबसे अधिक हंगामा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर को लेकर हुआ। विपक्ष की मांग है कि बिहार के बाद अन्य राज्यों में जारी एसआइआर को लेकर सदन में चर्चा कराई जाए। इस पर चर्चा हो तो सकती है, लेकिन आखिर सरकार इस पर विपक्ष के उन सवालों का जवाब कैसे दे सकती है, जो वस्तुतः चुनाव आयोग को देने हैं?

एसआइआर की प्रक्रिया चुनाव आयोग की ओर से कराई जा रही है और इसे लेकर उठे सवालों का सही-सटीक जवाब वही दे सकता है। ऐसा नहीं है कि चुनाव आयोग एसआइआर को लेकर उठे सवालों का जवाब देने से मना कर रहा है। वह राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात के समय तो उनके सवालों का जवाब दे ही रहा है, सुप्रीम कोर्ट के समक्ष भी अपनी स्थिति स्पष्ट कर रहा है। बिहार में एसआइआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में न जाने कितनी बार सुनवाई हुई। इस दौरान चुनाव आयोग ने विपक्षी दलों के वकीलों की ओर से उठाए गए हर सवाल का जवाब दिया। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआइआर पर रोक लगाने की आवश्यकता नहीं समझी, इसलिए यह सहज ही समझा जा सकता है कि वह चुनाव आयोग के जवाब से संतुष्ट रहा।अब 12 राज्यों में एसआइआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। इसमें संदेह है कि इस सुनवाई से विपक्षी दलों को कुछ हासिल हो सकेगा, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट एसआइआर में किसी तरह की त्रुटि नहीं देख रहा है। एसआइआर पर रोक की सूरत इसलिए भी नहीं दिखती, क्योंकि बिहार की तरह अन्य राज्यों में भी ऐसा होना समय की मांग है।

यह समझा जाए तो बेहतर कि मतदाता सूचियों को ठीक करने का एक ही उपाय है और वह है एसआइआर। विपक्ष एसआइआर को लेकर अपने सुझाव तो दे सकता है, लेकिन यदि वह यह चाहेगा कि ऐसा किया ही न जाए तो यह संभव नहीं। एसआइआर को लेकर संसद में हंगामा कर विपक्ष चर्चा में भले आ गया हो, लेकिन एक तरह से वह हारी हुई लड़ाई लड़ते हुए दिख रहा है। इसका पता इससे चलता है कि लोकसभा में हंगामे के बीच ही मणिपुर से संबंधित जीएसटी विधेयक बिना किसी चर्चा के पारित हो गया। बिना चर्चा विधेयक पारित होना अपवाद तो हो सकता है, लेकिन उसे चलन नहीं बनने देना चाहिए।

ताकि, संसद की कार्यवाही स्थगित न हो

दिलीप कुमार पाठक

संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो गया है, जब भी संसद का सत्र शुरू होता है तो देश की निगाहें संसद भवन की कार्यवाही पर टिकी होती है, क्योंकि देश को चलाने के लिए नियम -कानून तो यहीं बनते हैं, परंतु कुछ सालो से देखा गया है कि संसद भवन की कार्यशैली ही बदल गई है। सदन चलता कम स्थगित ज्यादा होता है, इसमे विपक्ष से ज्यादा सरकार ज़िम्मेदार है अगर ये कहा जाए तो गलत नहीं होगा। एक दौर होता था जब संसद में खूब नोक-झोंक होती थीं, लेकिन आलोचनाओं के लिए स्थान होता था, तमाम असहमतियों के बावजूद विमर्श होता रहता था।

संसद सत्र शुरू होने से पहले पीएम मोदी ने जो कहा वो भाषा पीएम के लिहाज़ से उचित नहीं है। पीएम ने कहा - मेरी एक चिंता रही है, लंबे समय से सदन में जो पहली बार चुनकर आए हैं, या जो युवा हैं, वैसे सभी दलों के सभी सांसद बहुत परेशान हैं, उन्हें अपने सामर्थ्य का परिचय कराने का अवसर नहीं मिल रहा है और न ही अपने क्षेत्र की समस्याओं के बारे में बताने का मौका नहीं मिल रहा है, कोई भी दल हो हमें किसी को भी हमारी नई पीढ़ी के नौजवान सांसदों को, उन्हें अवसर देना चाहिए। यहां तक तो पीएम ने अच्छी बात कही लेकिन उसके बाद जो कहा वो बेहद रूखे शब्दों में की गई टिप्पणी है पीएम ने कहा - इसलिए मेरा आग्रह रहेगा कि हम इन चीजों को गंभीरता से लें, ड्रामा करने के लिए बहुत जगह होती है, जिसे करना है करता रहे, यहां ड्रामा नहीं डिलीवरी होनी चाहिए। पीएम के शब्द उदारवादी होने चाहिए, अगर विपक्षी पार्टियों ने कार्यवाही बाधित की है तो उस पर बात की जा सकती है, लेकिन सीधे कहना कि ड्रामे के लिए जगह और हैं, मुझे लगता है कि पीएम के ऐसे शब्द संसद सत्र की गहमागहमी को और भी बढ़ा सकते हैं, वैसे भी विपक्ष सरकार पर हमलावार है।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, भाजपा लोकतंत्र और संसदीय परंपराओं को खत्म करने पर तुली है। शीतकालीन सत्र सिर्फ 19 दिन का है, जिसमें से सिर्फ 15 दिन ही चर्चा हो पाएगी, यह शायद अब तक का सबसे छोटा शीतकालीन सत्र होगा। इस सत्र के आयोजन में देरी भी हुई है और इसलिए ऐसा लगता है कि सरकार खुद संसद को डिरेल करना चाहती है, उन्होंने कहा, हमने सुरक्षा की बात उठाई है कि इस शीतकालीन सत्र में सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा हो. इसमें सबसे पहले राष्ट्रीय सुरक्षा आता है। दिल्ली में जो ब्लास्ट हुआ, वो कहीं ना कहीं कानूनी और गृह विभाग की विफलताओं का एक बहुत बड़ा परिणाम है, लेकिन ऐसा नहीं लगता कि सरकार इस पर संक्षिप्त चर्चा चाहती है लेकिन लोकतंत्र की रक्षा, चुनाव आयोग की निष्पक्षता, हमारी तीसरी मांग स्वास्थ्य की सुरक्षा की है। जिस प्रकार से वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। चौथा विषय आर्थिक सुरक्षा है, जो किसान, श्रमिक है। उसे ना तो उचित मूल्य मिल रहा है, ना कारखाने में सुरक्षा मिल रही है लेकिन. ऐसे सारे अहम मुद्दों पर विपक्ष चर्चा चाहता है, लेकिन सरकार बचना चाहती है।

ये गोगोई के तर्क हैं, परंतु संसद को सुचारू रूप से चलाना सरकार के साथ विपक्ष की भी जिम्मेदारी है। संसद में हर मुद्दे पर बहस होनी जरूरी है। कई मुद्दे सरकार के लिए उतने अहम नहीं होते जितने विपक्ष के लिए मायने रखते हैं। ऐसे ही मुद्दों को लेकर सरकार और विपक्ष की हठधर्मिता से टकराव उत्पन्न हो जाता है, जिससे संसद की कार्यवाही पर असर पड़ता है। संसद को सुचारू रूप से चलाना सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार संसद सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक इसीलिए बुलाती है। शुरू में प्रश्नकाल होता है। इसके बाद मुद्दों पर चर्चा होती है। अगर सरकार विपक्ष द्वारा उठाए मुद्दों पर भागती है तो संसद की कार्यवाही में बाधा उत्पन्न होती है। अगर सरकार चर्चा के लिए तैयार हो जाती है तो कार्यवाही सुचारू रूप से चलती है। कई बार विपक्ष जानबूझकर जनता पर प्रभाव दिखाने के लिए संसद की कार्यवाही को रोकने के लिए बाधा उत्पन्न करता है जो ठीक नहीं है। कई बार मुद्दे ऐसे होते हैं जिसमें देश का हित देखा जाता है अपना या पार्टी का नहीं ऐसे मुद्दों पर हंगामा करने से बचना चाहिए। संसद की कार्यवाही चलाने के लिए सभी दलों को सकारात्मक पहल करनी चाहिए।

नंदलाल बोस की कला साधना एवं सर्जना

कुमार कृष्णन

उनकी कला साधना को केवल बिहार,बंगाल या भारत के मंच पर ही नहीं विश्व कला मंच पर इसे बड़े सम्मान के साथ रखा गया। बिहार के मुंगेर जिले के हवेली खड़गपुर में 3 दिसम्बर 1882 को जन्में,पले बढ़े नंदलाल कला अध्ययन के लिए कोलकता आए और फिर सारे कला जगत के होकर रह गए। मां क्षेत्रमणि देवी एक धर्मपरायण महिला थी और बचपन से ही नंदलाल ने रामायण,महाभारत,चंडीमंगल,मनसा मंगल तथा व्रत अनुष्ठानों से जुड़ी कहानियां सुन रखी थीं। हवेलीखड़गपुर के कस्बे के कुम्हारों को मूर्तियां गढ़ते और घर में व्रत त्योहारों के समय अल्पना के अभिप्रायों तथा प्रतीकों को ध्यान से देखना उनका स्वभाव और व्यसन हो चुका था।उनके पिता पूर्णचंद्र बोस ऑर्किटेक्ट तथा महाराजा दरभंगा की रियासत के मैनेजर थे। पढ़ाई लिखाई में बुरे होने के कारण पिता कृष्णचंद्र बसु ने आगे की पढ़ाई के लिए कोलकाता भेज दिया, लेकिन कालेज की पढ़ाई पूरी करने की जगह गवर्नमेंट आफ आर्ट कालेज में दाखिल हो गए और इसके बाद एक से एक चित्रों का निर्माण का जो क्रम चला, वह उनके कला संसार निरंतर समृद्ध करता चला गया। उनकी धनी प्रतिभा का परिचय एक से एक दिग्गज कलाकारों,कलाप्रेमियों और कला जगत के मर्मज्ञों अवनीन्द्रनाथ ठाकुर,आनंद केंटिश स्वामी, ई बी हावेल, सिस्टर निवेदिता से आरंभ होकर 1910 में रविन्द्रनाथ ठाकुर से हुआ तो उन्हें यह प्रतीत हुआ अब उनका छोटा सा रंग –पटल अछोर आकाश तक अपनी गरिमा विखेर सकेगा। नंदलाल बोस पर तो गुरूदेव रविन्द्रनाथ टैगोर ने कविता भी लिखी है। इंडियन स्कूल ऑफ़ ओरियंटल आर्ट में अध्यापन किया और 1922 से 1951 तक शान्तिनिकेतन के कलाभवन के प्रधानाध्यापक रहे।

नंदलाल बोस को वह गौरव हासिल है कि भारतीय संविधान की मूल प्रति को चित्रों से सजाया। जवाहर लाल नेहरू जब शांति निकेतन गए तो वहां उनकी मुलाकात गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर के सान्निध्य में बड़े हुए ख्यातिप्राप्त नंदलाल को संविधान की मूल पुस्तक को अपनी चित्रकारी से सजाने का निमंत्रण दिया गया। नंदलाल बोस ने नेहरू के न्योते को स्वीकार किया। यह बात 1946 की है।

नंदलाल बसु के जीवन पर काम करने वाले हरि सिंह कॉलेज के अंग्रेजी के सेवानिवृत प्राध्यापक रामचरित्र सिंह ने नंदलाल बसु की जिंदगी को अपनी एक पुस्तक में जगह दी है। जिसमें उन्होंने नंदलाल बसु के जीवन से जुड़े हुए कई तथ्यों को लिखा है। कवि गुरु रवींद्रनाथ ठाकुर ने अपने एक संक्षिप्त विवरण में नंदलाल के बारे में कहा था- नंदलाल बसु एक पूर्ण काल्वित अपने जीवन और कार्य में समर्पित सांसारिक सफलताओं के प्रति उदासीन अपनी कला एवं कार्यो के प्रति एक निष्ठावान व्यक्तित्व हवेली खड़गपुर के हरि सिंह कालेज के पूर्व प्राचार्य प्रो. रामचरित्र सिंह इसकी पुष्टि करते हुए बताते हैं कि इसी साल जुलाई में संविधान सभा का चुनाव हुआ था। उसके बाद शांति निकेतन जाकर पं नेहरू ने उन्हें यह निमंत्रण दिया था। इसकी प्रमाणिकता का आधार उस साल का घटनाक्रम है। वहीं इसी क्षेत्र के साहित्यकार प्रदीप पाल बतातें हैं कि विश्वभारती की स्मारिका में भी इसका जिक्र है।

दरअसल में मंशा यह थी कि संविधान में भारतीय संस्कृति और सभ्यता के दर्शन हों। उस दौर में इस काम के लिए नंदलाल बोस उपयुक्त व्यक्ति थे। दूसरी यह भी कहा जाता है कि संविधान को केवल शब्दों से ही नहीं बल्कि कला से भी सजाए जाने का विचार का जन्म हुआ 1935 में हुआ। अंग्रेजों की हुकूमत के बीच 1925 में स्वराज संविधान का विचार आया और इस विचार को जन्म दिया नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने। जिन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू के साथ मिलकर स्वराज संविधान पर एक साथ काम किया। 1935 में डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद जब भारत आजाद होगा, तब उसका खुद का संविधान होगा और उसे चित्रों के माध्यम से अलंकृत किया जाएगा।

उन्होंने इस काम में अपने छात्रों का भी सहयोग लिया।उनके मार्गदर्शन में उनके शिष्यों ने संविधान को डिजाइन देने का काम किया। बड़ी-बड़ी तस्वीरों को नंदलाल बोस ने खुद से पेंट किया।कलाकार नन्दलाल बोस की टीम में उनके शिष्य व्यौहार राममनोहर सिन्हा, दीनानाथ, भार्गव, कृपाल सिंह शेखावत, पेरुमल, विनायक शिवराम मासोजी और अन्य कलाकार, जिनमें बोस के तीन बच्चे, बिश्वरूप बोस और उनकी पत्नी निबदिता, गौरी भांजा और उनकी बेटी बानी पटेल, जमुना सेन, अमला बोस थे। बाद में कनैललाल सरकार की पत्नी, जगदीश मित्तल और धीरेंद्र कृष्ण देब बर्मन को भी टीम में शामिल किया गया।

भारतीय संविधान में 22 खण्ड हैं जिसे विख्यात चित्रकार नंदलाल बोस ने अपनी उत्कृष्ट चित्रकारी से चित्रित किया।संविधान की मूलप्रति को सजाने में चार साल लगे। इस काम के लिए उन्हें 21,000 रुपये मेहनताना दिया गया।नंदलाल बसु जैसे प्रतिभावान कलाकार ने अपनी कला की शैली और उसके पीछे की अवधारणा का विकास भारतीय इतिहास के आदिकाल, ऋग्वैदिक युग, मौर्यकालीन और बौद्ध कला के गहन अध्ययन, अजंता और बाघ की कंदराओं के चित्रांकन की बारीकियों, फीके पड़ते रंगों और रेखाओं में महीनों तक जान डालने और सांस्कृतिक भारत की परिधि में आनेवाले देशों की कला दीर्घाओं की खाक छानने के पश्चात किया था। वह एक महान राष्ट्र और देश की सबसे मानक कला संस्था 'विश्वविद्या तीर्थ प्रांगण' यानी शांति निकेतन के बीच एक पवित्र बंधन था।

सादगी, समसति और सद्भाव का संदेश देती मोहन के आंगन की शादी

आलोक एम इन्दौरिया

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के छोटे पुत्र डॉ अभिमन्यु यादव का डॉक्टर इशिता के साथ हाल ही में उज्जैन में संपन्न हुआ विवाह इस प्रदेश ही नहीं बल्कि देश में सामाजिक समरसता, सादगी और सद्भाव की वह मिसाल बना है जिसने सारे देश का ध्यान बरबस ही इस विवाह की ओर न केवल खींचा है बल्कि विवाह में सादगी का दौरा पुन: आए इस विचार को सींचा भी है । किसी भी प्रदेश का मुख्यमंत्री इस प्रजातंत्र में एक तरह से प्रदेश का शासक या यू कहें कि प्रजातंत्र का राजा होता है तो शायद गलत नहीं होगा । मगर वही मुख्यमंत्री अपने बेटे की शादी सामूहिक विवाह सम्मेलन से करता है तो आम जनता के मुंह से बरबस ही वह निकलती है। यह इस कारण भी स्वाभाविक है कि एक और जहां और राजनेताओं, प्रशासनिक अफसरों समैण नवधनाढ्यों के लिए शादियां दिखावे का इवेंट हो गया है ।मगर इस कालखंड में यदि कोई व्यक्ति समर्थ होने के बाद भी अपने बेटे की शादी सामूहिक विवाह सम्मेलन से करता है तो निश्चित ही वह एक बहुत बड़ी लकीर खींचता है । और यह साहस कर दिखाया है मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने जो इस कालखंड में देश के एकमात्र ऐसे पहले मुख्यमंत्री होंगे जिन्होंने अपने बेटे का विवाह सामूहिक विवाह सम्मेलन में संपन्न करवा के न केवल एक उदाहरण प्रस्तुत किया है बल्कि इतिहास के पन्ने में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव अपने नवाचारों के साथ सादगी पूर्ण और आडंबर रहित जीवन जीने के लिए जाने जाते हैं ।मुख्यमंत्री बनने के बाद और राजनीति में कई बड़े सोपान चढ़ने के बाद भी उनका ठेठ बिंदास मालवी मानस और मालवी अंदाज उनके अंतस में और साथ ही व्यवहारिक जीवन में जीवन्त दिखाई देता है। एक मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्य और कार्यकाल जनता जनार्दन के सामने ऑडिट के लिए है ही जो अपेक्षाकृत बेहतर ही माना जाता है । बेशक वे एक मुख्यमंत्री के तौर पर निश्चित खरे उतरे हो मगर एक बेटे के पिता और परिणय सूत्र बंधन में बंधने जा रहे पुत्र के अभिभावक के रूप में उन्होंने पिछले दिन उज्जैन में जो किया है वह अब देश नहीं बल्कि विश्व में चर्चा का विषय बना हुआ है ।वह म प्र जैसे महत्वपूर्ण और बड़े प्रदेश के ताकतवर मुख्यमंत्री हैं और उनके चाहने मात्र से उनके पुत्र अभिमन्यु का विवाह समारोह किसी सेवन स्टार होटल में राजसी ठाट-बाट से आयोजित हो सकता था। मगर एक सही और प्रजा पालक शासक के रूप में उन्होंने अपने पुत्र का विवाह उज्जैन में आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन में करने का निर्णय लेकर आम जनता को यह संदेश दिया कि बेशक मैं मुख्यमंत्री जरूर हूं लेकिन हूं मैं आप जैसा आम इंसान ,जो अपनों के बीच इस खुशी को बांटकर ,आम इंसानों के बीच आम इंसान ही बना रहना चाहता है। इस सम्मेलन में उनके पुत्र सहित विभिन्न समाजों के कुल 21 जोड़े परिणय बंधन में बंधे जिन्हें आशीष देने के लिए विभिन्न राजनेताओं के साथ देश का प्रतिष्ठित संत समाज भी उपस्थित था।

इस समारोह की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि इसमें विभिन्न समाज, जाति और वर्ग के जोड़े बिना किसी भेदभाव ऊंच ,नीच और जाति, वर्ग के एक ही मंडप के बीच परिणय सूत्र में बंध रहे थे। और इन्हीं सबके बीच मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के पुत्र और पुत्र वधू भी थे। निश्चित रूप से यह कोई फिल्मी सेट पर किसी फिल्म का दृश्य शूट नहीं हो रहा था बल्कि जीवन के रंग मंच का वह दृश्य था जो जाति ,वर्ग और आर्थिक असमानता से ऊपर उठकर वसुदेव कुटुंबकम और हम सब एक हैं की आत्मा को साकार प्रस्तुत कर रहा था

यह सामाजिक सद्भाव और समरसता की वह जीवंत प्रस्तुति थी जो सालों बाद देखने में आई और बाबा महाकाल के साथ उज्जैन की धारा इसकी साक्षी बनी। इस समारोह में हमारे सनातन मूल्य के दर्शन भी हुए क्योंकि मंच पर देश के विख्यात साधु संतों ने मंत्रोचार से नवदम पत्तियों को न केवल आशीष दिया बल्कि सप्तपदी की रस्म पूरे वैदिक ,सनातनी ,विधि विधान से संपन्न भी कराई ।

बेशक इस सामूहिक विवाह समारोह में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के बेटे की शादी जरूर थी मगर विवाह की पाती बेहद साधारण सरल और सादगी से परिपूर्ण थी। इसमें डॉक्टर मोहन यादव के बेटे का नाम जरूर था मगर उन सभी 21 जोड़ों के बीच और खास बात यह है कि मोहन यादव का नाम इस निमंत्रण पाती में बतौर मुख्यमंत्री नहीं था बल्कि अविभावक के रूप में सिर्फ और सिर्फ मोहन यादव भर था। अब सहजता ,सादगी और आडंबर से दूर इससे बड़ी मिसाल और क्या होगी ? यह इस बात को भी दर्शाता है कि मोहन राज में आम आदमी और मोहन यादव के परिवार में कोई फर्क नहीं है क्योंकि सत्ता शिखर पर बैठे व्यक्ति का पुत्र और सामान्य तथा दलित का पुत्र एक ही मंडप के नीचे परिणय सूत्र में बंध रहे हैं। सामाजिक समरसता शायद यही है और सामाजिक समरसता ऐसी होनी और रहनी भी चाहिए। मोहन यादव का यह प्रयास निश्चित रूप से उन तमाम लाखों परिवारों के लिए एक संदेश है जो महंगी शादी के कारण न केवल कर्ज के बोझ से दब जाते हैं बल्कि अपनी जीवन भर की बचत को भी इसमें लगा बैठेते हैं। उनका यह आयोजन यह भी स्पष्ट करता है कि विवाह केवल पैसे का दिखावा और फिजूल खर्ची नहीं है बल्कि एक संस्कार युक्त वह आयोजन है जिसका हमारे सनातन में धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है और यही शायद सबसे महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के आंगन की शादी एक सामूहिक विवाह सम्मेलन मात्र नहीं थी जो प्रशासनिक दृष्टि से सिर्फ और सिर्फ एक कार्यक्रम मात्र लगे बल्कि संस्कृतिक अर्थ और मायने में यह हमारे नैतिक और सनातन मूल्य के पुनर्जागरण और उनकी प्राण प्रतिष्ठा का ऐसा उद्घोष है जिसकी अनुज कश्मीर से कन्याकुमारी तक और राजस्थान से पूर्वोत्तर तक सुनाई देगी। क्योंकि इस आयोजन में ना तो शाही तामझाम का दिखावा था और ना ही सुपर प्रीमियम व्यवस्थाएं। बस आवश्यकता इस बात की है कि जिस तरह से डॉक्टर मोहन यादव ने बेहद सादगी, सामाजिक समरसता और सद्भाव के साथ अपने बेटे का विवाह संपन्न कराया है क्या इससे अन्य जनप्रतिनिधि ,मंत्री प्रशासनिक अधिकारी प्रेरणा लेंगे ? क्या यह लोग भी मोहन यादव के पद का अनुसरण करेंगे ? क्योंकि गंगा हमेशा ऊपर से नीचे की ओर बहती है ।यकीन मानिए यदि यह संभव हो गया तो इस प्रदेश ही नहीं बल्कि देश में महंगी और खर्चीली शादियों का मिथक धीरे-धीरे टूटना शुरू हो जाएगा और हम एक बार पुन: उसे सनातन की ओर लौट पड़ेंगे जिसमें विवाह संस्कार ही महत्वपूर्ण होता था। और विवाह एक इवेंट ना होकर आध्यात्मिक प्रक्रिया होती थी जिसका हमारे 16 संस्कारों में सबसे महत्वपूर्ण स्थान माना जाता था यदि यह हुआ तो डॉक्टर मोहन यादव का नाम इसमें मिल के पत्थर के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने निश्चित ही मरुधर में उसे गंगा को लाने का प्रयास किया है जिसकी गोद में सामाजिक सद्भाव, समरसता, सनातन और आपसी सौहार्द पनपेगा वहीं इन दिनों विवाह मैं शामिल हो गये तथाकथित इवेंट, कुरीतियां और अनावश्यक लग्जरी खर्च तिरोहित हो जायेंगे।

भारत की आर्थिक विकास दर ने पूरे विश्व को चौंकाया

वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 5.6 प्रतिशत रही थी। विशेष रूप से विनिर्माण एवं सेवा के क्षेत्र में वृद्धि दर अतुलनीय रही है। विनिर्माण के क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में 2.2 प्रतिशत की वृद्धि दर रही थी जो वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में बढ़कर 9.1 प्रतिशत की हो गई है। इसी प्रकार, सेवा क्षेत्र में भी वृद्धि दर 9.2 प्रतिशत की रही है। वित्तीय, रियल एस्टेट एवं प्रोफेशनल सेवाओं में तो वृद्धि दर बढ़कर 10.2 प्रतिशत (पिछले वर्ष इसी अवधि में 7.2 प्रतिशत) एवं जन प्रशासन, डिफेन्स एवं अन्य सेवाओं में वृद्धि दर 9.7 प्रतिशत (पिछले वर्ष 8.9 प्रतिशत) की रही है।

प्रहलाद सबनानी

व्यापार, होटल, यातायात एवं कम्यूनिकेशन में भी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत (पिछले वर्ष 6.1 प्रतिशत)। केंद्र सरकार के उपक्रमों एवं डिफेन्स के क्षेत्र में भी 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। कृषि क्षेत्र में जरूर वृद्धि पिछले वर्ष 4.1 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष घटकर 3.5 प्रतिशत हो गई है एवं कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र में भी वृद्धि दर पिछले वर्ष 8.4 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष घटकर 7.2 प्रतिशत रही है।

जैसे ही वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े जारी हुए कुछ मूर्धन्य पत्रकार तुरन्त अपने आंकलन के साथ मीडिया में उपस्थित हो गए एवं अपनी प्रतिक्रिया में यह बताने का प्रयास करने लगे कि भारत की आर्थिक विकास दर तो इतनी तेज गति से आगे बढ़ ही नहीं सकती। क्योंकि, वैश्विक स्तर पर इतनी विपरीत परिस्थितियों के बीच एवं विकसित देशों में विकास की धीमी दर एवं कुछ देशों में तो विकास दर के ऋणात्मक रहने के चलते (ह्रश्वष्टष्ठ देशों की आर्थिक विकास दर 2 प्रतिशत के भी नीचे है), भारत की आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत के ऊपर कैसे रह सकती है। साथ ही, विभिन्न वित्तीय संस्थानों यथा, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई विकास बैंक, विश्व व्यापार संगठन के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर को 7 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान जताया था। फिर, भारत की आर्थिक विकास इस अवधि में 8.2 प्रतिशत कैसे रह सकती है?

हाल ही के समय में केंद्र सरकार ने भारत में आर्थिक क्षेत्र को मजबूत बनाने के उद्देश्य से वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं। इन सुधार कार्यक्रमों का असर अब भारत की आर्थिक विकास दर में तेजी के रूप में दिखाई देने लगा है। आयकर की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपए प्रति वर्ष कर दिया गया है और इसे वित्तीय वर्ष 2025-26 में लागू किया जा चुका है। भारत में 95 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर वस्तु एवं सेवा कर की दरों को (लगभग 10 प्रतिशत तक) कम कर दिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों (रेपो दर) में एक प्रतिशत की कटौती की जा चुकी है एवं दिसम्बर 2025 माह में 25 आधार बिंदुओं की एक और कटौती की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा भारत की मातृशक्ति के बैंक खातों, किसानों के बैंक खातों एवं गरीब वर्ग के बैंक खातों में सीधे ही सहायता की राशि जमा की जा रही है। साथ ही, भारत के लगभग 65 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज प्रति माह उपलब्ध कराया जा रहा है। उक्त उपायों का स्पष्ट असर यह हो रहा है कि भारत के दूर दराज इलाकों में निवासरत गरीब वर्ग के हाथों में सीधे पैसा पहुंच रहा है, जिससे उनकी क्रय शक्ति बढ़ रही है एवं वे इस पैसे से कई प्रकार के उत्पादों का सेवन करने लगे हैं और जिससे अंततः देश में इन उत्पादों की मांग में भारी वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। भारत में निजी उपभोग भी वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही के 4.2 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में 8 प्रतिशत से बढ़ा है। साथ ही केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों में भी 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है, जिससे रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए हैं एवं उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज हुई है।

उक्त कारणों के साथ ही, भारत में धार्मिक पर्यटन में भी भारी वृद्धि हुई है। अब, कई श्रद्धालु परिवार भारत के अयोध्या में प्रभु श्रीराम के नवनिर्मित मंदिर के दर्शन हेतु प्रति माह लाखों की संख्या में पहुंच रहे हैं। इसी प्रकार, वाराणसी स्थित भगवान भोलेनाथ मंदिर, उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर, जम्मू में माता वैष्णो देवी मंदिर, दक्षिण में भगवान तिरुपति बालाजी मंदिर, ओड़िसा के पुरी में स्थित मंदिर, उत्तराखंड स्थित गंगोत्री, यमुनोत्रि, केदारनाथ मंदिर, बद्रीनाथ मंदिर आदि मंदिरों में लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन करने हेतु पहुंच रहे हैं। हाल ही में प्रयागराज में सम्पन्न हुए कुम्भ के मेले में तो 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु देश विदेश से पवित्र त्रिवेणी में स्नान करने हेतु पहुंचे थे। इसी प्रकार, भारत की एक और विशेषता है कि यहां विभिन्न त्यौहारों को बड़े ही उत्साह से भाई-चारे के साथ मनाया जाता है। दीपावली का पावन पर्व एवं दीपावली के आसपास के समय में कई त्यौहार श्रद्धापूर्वक मनाए जाते हैं एवं इन त्यौहारों पर समाज में परिवारों द्वारा लाखों करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं। इस वर्ष एक आकलन के अनुसार दीपावली के पावन पर्व एवं दीपावली के समय के आसपास के समय में मनाए गए विभिन्न त्यौहारों पर 6 लाख करोड़ रुपए के विभिन्न उत्पादों की बिक्री भारत में हुई है। फिर, शादियों का मौसम भी प्रारम्भ होता है जिसमें करोड़ों की संख्या में विवाह समारोह सम्पन्न होते हैं, इन विवाह समारोहों में भी लाखों करोड़ रुपए का खर्च भारतीय समाज द्वारा किया जाता है। इन कारणों के चलते भी भारत में हाल ही के समय में उत्पादों की मांग में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। जिससे, अंततः इन उत्पादों का निर्माण भी भारत में होने लगा है तथा विनिर्माण के क्षेत्र में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

दरअसल, विदेशी वित्तीय संस्थान भारत की संस्कृति से पूर्णत अनभिज्ञ हैं एवं पश्चिमी देशों की संस्कृति के अनुसार विकसित किए गए मॉडल से भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगा रहे हैं। इन मॉडल के अनुसार जहां, इन विभिन्न विदेशी वित्तीय संस्थानों द्वारा 6 से 7 प्रतिशत के बीच की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगाया जाता है वहीं भारत की आर्थिक विकास दर अब 8 प्रतिशत की दर को भी पार करती हुई दिखाई दे रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इन वित्तीय संस्थानों के आंकलन में इतना भारी अंतर सोच का विषय है। अब भारत के आर्थिक विकास के सम्बंध में अनुमानों को आंकने के लिए भारतीय मॉडल ही विकसित करने की आवश्यकता है। वरना, इसी प्रकार की गलतियां इन विदेशी वित्तीय संस्थानों द्वारा की जाती रहेंगी एवं भारत में कुछ विघ्न संतोषी पत्रकार इसी प्रकार देश के आर्थिक विकास की दर पर अपनी शंका-कुशंकाओं को समाज के बीच में लाते रहेंगे और गलत विमर्श खड़ा करने का प्रयास करते रहेंगे।हां, भारत में ऐसे कुछ क्षेत्र जरूर हैं जिनमे विकास दर को गति देने के प्रयास किए जाने चाहिए। जैसे, भारत में खदानों से उत्पादन में वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में 0.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, पिछले वर्ष भी इसी अवधि में 0.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई थी। जब देश में विनिर्माण के क्षेत्र में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा रही है तो फिर खदानों से उत्पादन क्यों नहीं बढ़ना चाहिए? इसका आश्य कहीं यह तो नहीं कि हम कच्चे माल की जरूरतों को आयात के माध्यम से पूरा करने का प्रयास कर रहे हों। इस बीच भारत में आयात की मात्रा में भी भारी वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि उत्पादों के निर्यात में वृद्धि दर कुछ धीमी रही है। उक्त अवधि (तिमाही) के दौरान, भारत में उत्पादों का आयात 18,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, जबकि भारत से उत्पादों का निर्यात 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है। इस प्रकार, कुल व्यापार घाटा बढ़कर 8,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है।

विश्व एड्स दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम, स्वास्थ्य मंत्री ने दी एड्स मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने की प्रेरणा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़ स्थित स्वामी विवेकानंद कॉलेज परिसर में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा राज्य स्तरीय विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इसमें स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव, झगराखांड नगर पंचायत अध्यक्ष रीमा यादव और नगर पंचायत अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह राणा सहित अनेक जनप्रतिनिधि विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

मंत्री जायसवाल बोले- एचआईवी मरीजों से भेदभाव बंद करें: स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस अवसर पर कहा कि विश्व एड्स दिवस मानवता और स्वास्थ्य जागरूकता को समर्पित है। उन्होंने समाज में एड्स से जुड़े भ्रम और झिझक को दूर करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि एचआईवी सामान्य संपर्क से नहीं फैलता, बल्कि असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई, संक्रमित रक्त और मां से जन्मे बच्चे के माध्यम से फैलता है। उन्होंने एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के प्रति भेदभाव को समाज के लिए शर्मनाक बताया। मंत्री ने बताया कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ में 22,313 एचआईवी पॉजिटिव मरीज दर्ज हैं। इनमें से एमसीबी जिले में लगभग 293 मरीज हैं, जिनमें से 200 से अधिक मनेंद्रगढ़ ब्लॉक में हैं। इसे गंभीर चिंता का विषय बताते हुए उन्होंने युवाओं से सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक जागरूकता फैलाने की अपील की।

2030 तक एड्स खत्म करना संभव: श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि भारत स्वास्थ्य क्षेत्र में अग्रणी है। पोलियो, खसरा और कोरोना जैसी चुनौतियों से भारत ने दुनिया को रास्ता दिखाया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि समाज और युवा ठान लें तो 2030 तक एड्स को जड़ से खत्म करना संभव है।

कार्यक्रम के अंत में स्वास्थ्य मंत्री ने उपस्थित सभी लोगों को एड्स के विरुद्ध सामाजिक संकल्प की शपथ दिलाई। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष चंपा देवी पावले, रश्मि सोनकर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अविनाश खरे, अस्पताल अधीक्षक स्वप्निल तिवारी सहित समस्त अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विरांगना श्रीवास्तव ने किया और आभार प्रदर्शन डॉक्टर स्वप्निल तिवारी ने किया।

2-समुदाय में तनाव, नगर बंद कराने निकाली रैली; युवकों के हंगामा मचाए जाने के बाद भड़का आक्रोश

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (निप्र)। सीतापुर में दो समुदायों के बीच तनाव की स्थिति बन गई है। 30 नवंबर को एक शादी समारोह में कुछ युवकों के बीच विवाद हुआ जिसके बाद बात मारपीट तक आ पहुंची। जिसके बाद दोनों पक्ष थाने पहुंचे जहां पुलिस ने एक पक्ष की शिकायत सुनी और मामला दर्ज कर लिया। घटना सीतापुर थाना क्षेत्र की है। पुलिस की एकपक्षीय कार्रवाई से नाराज उरांव समाज ने बीती रात 4 घंटे नेशनल हाईवे में चक्काजाम कर दिया। 2 दिसंबर यानि आज समाज ने नगर बंद का आह्वान किया और रैली निकाली। तनाव की स्थिति को देखते हुए सीतापुर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। बताया जा रहा है विवाद 3 दिनों तक चला। 1 दिसंबर को फिर दूसरे पक्ष के युवकों ने 20 बाइक और स्कॉर्पियो में उरांव पारा पहुंचकर हंगामा मचाया था।

एफआईआर दर्ज नहीं होने पर तनाव, चक्काजाम: जानकारी के मुताबिक, सीतापुर में विवाद की शुरुआत 29 नवंबर की रात हुई। जब सीतापुर उरांव पारा के रहने वाले अमन खेस शादी समारोह में शामिल होने गया था। वहां उसका विवाद काराबेल के टोकोपारा निवासी निक्कू खान और महेश दास से हो गया।

निक्कू खान टेंट लगाने का काम करता है। विवाद के बाद दोनों के बीच मारपीट हो गई। अगले दिन 30 नवंबर को भी दोनों पक्षों में मारपीट हुई थी। मामले में दोनों पक्षों ने शिकायत थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने निक्कू खान की शिकायत पर अमन खेस और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। वहीं अमन खेस की शिकायत पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। फिर 1 दिसंबर की रात दूसरे पक्ष के युवकों ने उरांव पारा पहुंचकर हुड़दंग मचाया। इससे भड़के लोगों ने थाने के सामने नेशनल हाईवे पर धरना दे दिया।

रात 1.30 बजे तक धरने पर बैठे रहे: देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग थाने के सामने जमा हो गए और सड़क पर बैठ गए। रात करीब 1.30 बजे के बाद भी सड़क पर बैठे रहे। एसडीओपी राजेंद्र मंडावी ने उरांव समाज के लोगों को समझाइश देने की कोशिश की।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर सर्किल जेल शिवपुरी में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेश अनुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश राजेंद्र प्रसाद सोनी के निर्देशन में तथा रंजना चतुर्वेदी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी के मुख्य आथित्य में सर्किल जेल शिवपुरी में गतदिवस विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में उपस्थित बंदियों को एचआईवी एड्स से बचाव एवं सावधानियो के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर जिला क्षय अधिकारी शिवपुरी प्रदीप शर्मा द्वारा एड्स के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की एवं शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली निशुल्क जांच एवं

दवाइयां के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर जिला अधीक्षक रमेश चंद्र आर्य, जेल उपाधीक्षक पांडे सहित जेल स्टाफ एवं बंदी उपस्थित रहे।

जनपद पंचायत पोहरी में 'एक बगिया मां के नाम' योजना के तहत हितग्राहियों को दी गई तकनीकी प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी एन.एस.नरवरिया की अध्यक्षता में जनपद पंचायत पोहरी में 'एक बगिया मां के नाम' योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को स्वीकृत बगियों में किए जाने वाले कार्यों के संबंध में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सीईओ जनपद पोहरी रामपाल बघेल, ब्लॉक मैनेजर एसआरएलएम अभिषेक सक्सेना, सहायक यंत्री सतेंद्र सिंह कुशवाह, एपीओ विकास गोयल तथा उपयंत्री नीतेश गुप्ता

उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण के दौरान हितग्राहियों को पौधरोपण, बगिया के रखरखाव और सुरक्षा हेतु आवश्यक तकनीकी मानदंडों की जानकारी दी गई। बताया गया कि लाभार्थियों को मनरेगा के तहत अपनी ही भूमि पर 100 दिवस का रोजगार प्राप्त होगा, साथ ही बगिया के माध्यम से स्थायी आय का स्रोत बनेगा। पौधों की सुरक्षा हेतु बायर फेंसिंग का प्रावधान किया गया है, जिसका भुगतान भी मनरेगा से किया जाएगा। प्रशिक्षण में यह भी स्पष्ट किया गया कि बगिया में लगाए जाने वाले पौधों का चयन लाभार्थी स्वयं करेंगे, जबकि सामग्री एवं मजदूरी का भुगतान सीधे हितग्राही के बैंक खाते में किया जाएगा। प्रशिक्षण उपरांत टीम ने ग्राम तिमाउनी सलोदा में एक हितग्राही के खेत पर स्थापित 'एक बगिया मां के नाम' परियोजना का निरीक्षण किया और आवश्यक सुधार संबंधी सुझाव प्रदान किए।

हेडकांस्टेबल का पैरवी विवाद, वकील ने अधिवक्ता-संघ अध्यक्ष को भेजा नोटि; वरिष्ठ अधिवक्ता से हुई थी मारपीट, पैरवी करने वाले वकील को अध्यक्ष ने दिया था नोटिस

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (निप्र)। वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश तिवारी और प्रधान आरक्षक संतोष कश्यप के बीच मारपीट के मामले में जिला अधिवक्ता संघ सरगुजा ने प्रधान आरक्षक के पक्ष में पैरवी नहीं करने का प्रस्ताव पास किया था। मामले में संतोष कश्यप के पक्ष में पैरवी करने वाले वकील अरूण वर्मा को अधिवक्ता संघ अध्यक्ष ने कारण बताओ नोटिस जारी किया था। अब उल्टे वकील ने अधिवक्ता संघ अध्यक्ष को नोटिस थमा दिया है कि किस अधिकार से उन्हें पैरवी करने से रोका जा रहा है। दरअसल, वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश तिवारी के बेटे राहुल तिवारी के साथ गाड़ी बैक करने

के दौरान प्रधान आरक्षक संतोष कश्यप के साथ विवाद हो गया एवं मारपीट हो गई। इस दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे अधिवक्ता राजेश तिवारी के साथ भी संतोष कश्यप एवं साथियों ने हमला कर दिया था। मारपीट में राजेश तिवारी को भी चोटें आई थीं।

अधिवक्ता संघ ने कहा- पैरवी नहीं करेंगे: मामले में अधिवक्ता राजेश तिवारी की रिपोर्ट पर गांधीनगर पुलिस ने प्रधान आरक्षक संतोष कश्यप एवं अन्य के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मामले में अधिवक्ता संघ एवं ब्राहम्ण समाज ने कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। संतोष कश्यप का आरोप है कि उसकी रिपोर्ट थाने में नहीं लिखी गई।

अधिवक्ता संघ ने मामले में निर्णय लिया था कि संघ का कोई सदस्य प्रधान आरक्षक संतोष कश्यप की पैरवी नहीं करेगा। वहीं अधिवक्ता अरूण वर्मा ने प्रधान आरक्षक संतोष कश्यप की पैरवी के लिए वकालतनामा कोर्ट में पेश किया तो अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष ने अरूण वर्मा को कारण बताओ नोटिस भेज दिया।

नोटिस के जवाब में अधिवक्ता ने भेजा नोटिस: अधिवक्ता संघ अध्यक्ष ने अपने नोटिस में संघ के निर्णय का उल्लेख करते हुए अरूण वर्मा से पूछा था कि क्यों न आपको संघ की सदस्यता से बाहर कर दिया जाएगा। इस नोटिस के जवाब में अरुण वर्मा ने उल्टे अधिवक्ता संघ अध्यक्ष को नोटिस भेज दिया है।

नोटिस में अरुण वर्मा ने कहा है कि अधिवक्ता संघ को इस तरह का प्रस्ताव पारित करने का अधिकार भी नहीं है क्योंकि उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार किसी अधिवक्ता को किसी पक्षकार की पैरवी से रोका नहीं जा सकता। अरुण वर्मा ने कहा कि संघ का यह कदम अधिवक्ता के अधिकार और भारतीय संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन है। उन्होंने नोटिस को निरस्त करने कहते हुए जवाब में लिखा है कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो वे उच्च न्यायालय में वैधानिक कार्रवाई करेंगे।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राज द्वारा सिरसौद में जनमन आवासों का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों की गति को और सशक्त करने के उद्देश्य से सीईओ जिला पंचायत विजय राज द्वारा गतदिवस जनपद पंचायत करेरा के ग्राम पंचायत सिरसौद में पीएम जनमन आवास योजना अंतर्गत निर्मित किए जा रहे आवासों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उनके साथ अतिरिक्त सीईओ एन.एस.नरवरिया सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान सीईओ श्री राज ने योजना के लाभार्थियों से संवाद करते हुए निर्माण कार्य

में आ रही समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता का निरीक्षण करते हुए कार्य की पारदर्शिता और समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि हर पात्र हितग्राही को समय पर आवास उपलब्ध हो और योजना का लाभ पूर्णत: पारदर्शी तरीके से पहुंचे।

उन्होंने प्रत्येक अपूर्ण आवास की कार्ययोजना बनाकर समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

बिहान-कृषि और पशु सखी सक्रिय महिला संघ...

सदस्य सड़कों पर उतरे, नियमितीकरण और मानदेय बढ़ाने की मांग; एमसीबी कलेक्टर को दिया आवेदन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले में एनआरएलएम, बिहान, कृषि और पशु सखी सक्रिय महिला संघ की सदस्यों ने अपनी छह सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। महिलाओं ने एसडीएम कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक विशाल रैली निकाली और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने जमकर नारेबाजी की और कलेक्ट्रेट कार्यालय के पास प्रदर्शन किया। ज्ञापन के माध्यम से महिलाओं ने मानदेय बढ़ाने, नियमितीकरण, सभी को मोबाइल दिए जाने, मानदेय प्रतिमाह भुगतान करने, छत्तीसगढ़ शासन के न्यूनतम

मानदेय के अनुरूप भुगतान और नियुक्ति पत्र जारी करने की मांग रखी।

जिला पंचायत सदस्य ने मांगों को बताया जायज: जिला पंचायत सदस्य सुखवंती सिंह ने इन मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि ये मांगें जायज हैं। उन्होंने बताया कि आज के दौर में एक मजदूर की दैनिक मजदूरी 250 रुपए से अधिक है, जबकि इन महिलाओं को प्रतिदिन 10 रुपए भी मानदेय नहीं मिल रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

काम छोड़ने का दबाव: बिहान योजना से जुड़ी महिलाओं ने अपनी व्यथा बताते हुए कहा कि उन्हें मात्र 1910 रुपए मासिक मानदेय दिया जाता है, जबकि उनसे काफी कार्य कराए जाते हैं। उनका कहना था कि यह मानदेय केवल आने-जाने के खर्च में ही निकल जाता है।

इसके अलावा उनसे मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन कार्य भी कराए जाते हैं, जिसके लिए कोई अतिरिक्त राशि नहीं दी जाती। ऐसी स्थिति में, अब उनके परिवारों से भी काम छोड़ने का दबाव आ रहा है।

मैनपाट में सपनादर बाक्साइट खदान की जनसुनवाई में हंगामा, ग्रामसभा की सहमति के बिना सुनवाई का आरोप; ग्रामीणों ने बताया अवैध

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (निप्र)। अंबिकापुर के मैनपाट के कंडराजा के बाद सपनादर में बाक्साइट खदान खोलने के लिए आयोजित जनसुनवाई में जमकर हंगामा हुआ। 2 दिसंबर को जनसुनवाई में पहुंचे अजजा आयोग के पूर्व अध्यक्ष भानू प्रताप सिंह ने आरोप लगाया कि बिना ग्रामसभा की सहमति के ही जनसुनवाई की जा रही है। प्रभावित लोगों को इसकी जानकारी तक नहीं है।

मैनपाट के सपनादर में बाक्साइट उत्खनन के लिए 171 हेक्टेयर जमीन की लीज निजी खनन कंपनी मां कुदरगढ़ी स्टील प्राइवेट लिमिटेड को मिली है। इसकी वार्षिक क्षमता एक लाख 27 हजार 800 टन है। खदान की स्वीकृति के लिए पर्यावरणीय जनसुनवाई मंगलवार (2 दिसंबर) को कमलेश्वरपुर में आयोजित की गई है।

कड़ी सुरक्षा के बीच जनसुनवाई, जमकर हंगामा: जनसुनवाई में हंगामे की स्थिति को देखते हुए एएसपी अमोलक सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। जनसुनवाई शुरू करने के पहले ही लोगों ने जनसुनवाई निरस्त करने की मांग करते हुए जमकर हंगामा किया। हंगामे के कारण जनसुनवाई देर से शुरू हो सकी। जनसुनवाई में कुछ बाहरी लोग भी पहुंचे थे, जिन्होंने खनन के पक्ष में अपनी बात रखी। इसे लेकर स्थानीय लोगों ने बाहरी लोगों का विरोध करते हुए हंगामा किया एवं बाहरी व्यक्तियों को बलपूर्वक खदेड़ दिया। इससे विवाद की स्थिति बन गई। पुलिस ने बीच-बचाव किया।

ग्रामसभा के पूर्व जनसुनवाई का विरोध: जनसुनवाई में पहुंचे अजजा आयोग के पूर्व अध्यक्ष भानू प्रताप सिंह ने कहा कि ग्रामसभा की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई है। जो प्रभावित लोग हैं, उन्हें पता ही नहीं है कि किस बात की जनसुनवाई हो रही है।

सागर में हत्या के 3 इनामी आरोपी गिरफ्तार

कुल्हाड़ी-डंडों से की थी मारपीट, 2 महीने से थे फरार; गांव आते ही पुलिस ने दबोचा

सागर, एजेंसी। सागर की शाहगढ़ थाना पुलिस ने हत्या के मामले में फरार चल रहे तीन इनामी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इन आरोपियों पर 3-3 हजार रुपए का इनाम घोषित था। ये आरोपी 29 सितंबर को हुई हत्या की वारदात के बाद से फरार थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने गांव में दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस ने पूछताछ के बाद तीनों को न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार, 29 सितंबर को फरियादी दीपपाल (18) पुत्र परमलाल यादव, निवासी ग्राम बगरोही ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि गांव के ही जगदीश यादव और अन्य करीब 10 लोगों ने फरियादी पक्ष पर कुल्हाड़ी और डंडों से हमला किया था। इस हमले में गंभीर चोट लगने से फरियादी के पिता पप्पू उर्फ परमलाल यादव की मौत हो गई थी।

7 आरोपी पहले ही जेल भेजे जा चुके: शिकायत पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 7 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। लेकिन वारदात में शामिल तीन आरोपी फरार हो गए थे। पुलिस ने उनकी तलाश के लिए टीमें लगाई थीं और उन पर 3-3 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था।

गांव आए थे, तभी पुलिस ने घेरा: इसी बीच पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि फरार आरोपी अपने गांव आए हुए हैं। लोकेशन मिलते ही पुलिस टीम ने गांव में दबिश दी। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने फरार आरोपी अरविंद पिता जगदीश यादव, राजू पिता मथरा यादव और जाहर पिता रामू यादव (तीनों निवासी बहरोही) को गिरफ्तार कर लिया।

स्कूल की रेलिंग पर लटका मिला युवक का शव

रतलाम में सीएम राइज स्कूल की बाउंड्री पर गमछे से लगाया फंदा

रतलाम, एजेंसी। रतलाम के रावटी में मंगलवार सुबह एक युवक का शव बंद पड़े सीएम राइज स्कूल की बाउंड्रीवॉल की रेलिंग से लटका मिला। मृतक की पहचान 28 वर्षीय भानूप्रताप सिंह राठौर के रूप में हुई है। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए रतलाम मेडिकल कॉलेज भेजा। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। रावटी के मंडी रोड पर स्थित बंद पड़े सीएम राइज स्कूल की रेलिंग पर सुबह 6.30 बजे राहगीरों ने शव लटका देखा। उन्होंने तुरंत उसे गांव के युवक के रूप में पहचाना और परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे और फिर पुलिस को बुलाया। सूचना मिलने पर रावटी थाने के सब इंस्पेक्टर एमआई खान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। युवक ने गमछे से फंदा लगाया था और उसका मुंह स्कूल की दीवार से सटा हुआ था। पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को फंदे से उतारा।

मोबाइल मिला बंद, सुसाइड नोट नहीं मिला: पुलिस की प्राथमिक जांच में फांसी लगाकर आत्महत्या की बात सामने आई है। शव पूरी तरह अकड़ गया था, जिससे संभावना है कि युवक ने देर रात फांसी लगाई है। मृतक की पेंट की जेब से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मोबाइल मिला है, लेकिन वह स्विच ऑफ था, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है।

तीन भाइयों में सबसे छोटा था: जानकारी के अनुसार, मृतक भानूप्रताप (निवासी इंद्रा कॉलोनी) अविवाहित था। उसके दो बड़े भाई अमित और लक्की हैं। वह सबसे छोटा था। घर में मां हैं, जबकि पिता का पूर्व में निधन हो चुका है।

पुलिस कर रही जांच: रावटी थाने के सब इंस्पेक्टर एमआई खान ने बताया कि युवक के शव को पीएम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। सुसाइड नोट नहीं मिला है। मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

मंदसौर में मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

लंबे समय से था फरार, राजस्थान में भी 2 मामलों में थी तलाश

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर जिले की पिपलियामंडी पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान लक्ष्मीनारायण मालवीय (32) निवासी बंडपिपलिया, थाना नारायणगढ़ के रूप में हुई है। वह एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामले में घटना दिनांक से ही फरार था। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। यह कार्रवाई एसपी विनोद कुमार मीना के निर्देश पर चलाए जा रहे फरार आरोपियों की धरपकड़ अभियान के तहत की गई। एडिशनल एसपी तेर सिंह बघेल और एसडीओपी मल्हारगढ़ नरेंद्र सोलंकी के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक संदीप सिंह मंगोलिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह गिरफ्तारी की।

राजस्थान में भी दर्ज हैं तस्करी के केस: पुलिस के अनुसार, आरोपी लक्ष्मीनारायण थाना पिपलियामंडी के अपराध क्रमांक 86/25 (धारा 8/18, 29 एनडीपीएस एक्ट) के मामले में वांछित था। जांच में सामने आया कि वह राजस्थान में भी मादक पदार्थ तस्करी के दो अन्य मामलों में वांछित था।

एसपी बोले- तस्करों को बख्शा नहीं जाएगा: एसपी विनोद कुमार मीणा ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करी में लिप्त फरार तस्करों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, ÷जिले में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और तस्करों को बख्शा नहीं जाएगा।

खरगोन में चांदगढ़ तालाब की नहर में सीपेज का पानी

रबी की फसल पीली पड़ी, 7 साल से नहीं हुई मरम्मत

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले के चांदगढ़ तालाब की नहरों से पानी रिसने (सीपेज) की समस्या बढ़ गई है। रायबीड़पुरा क्षेत्र में करीब आधा किलोमीटर तक खेतों में दिन-रात पानी भर रहा है, जिससे किसानों की फसलें खराब हो रही हैं। किसान इस लगातार नुकसान से बेहद परेशान हैं। सांगवी के किसान श्रीराम पाटीदार ने बताया कि उनके खेत के पास से गुजरने वाली नहर से पानी लगातार रिस रहा है, जिससे खेत दलदल बन गया है। उनकी 4 एकड़ गेहूं की फसल पीली पड़ चुकी है। उन्होंने कहा कि कई सालों से फसल खराब हो रही है, लेकिन अब तक उन्हें कोई मुआवजा नहीं मिला।

किसानों का आरोप है कि जल संसाधन विभाग में कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की जाती। सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करने पर भी गर्मी में मरम्मत का आश्वासन देकर शिकायत बंद कर दी जाती है। किसानों का कहना है कि वे पिछले 7 सालों से इस समस्या से परेशान हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही। इस मामले पर जल संसाधन विभाग के एसडीओ मनीष मोरे ने बताया कि नहर की मरम्मत के लिए ढाई लाख रुपये का प्रस्ताव तैयार किया गया है। स्वीकृति मिलते ही नहर में छह एमएम मोटी सीमेंट-कंक्रीट की परत डालकर सीपेज रोका जाएगा।उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि बजट की कमी के कारण नहरों की मरम्मत और सफाई जैसे जरूरी काम समय पर नहीं हो पाते।

डंपर ने बाइक सवार दो युवकों को कुचला

दोनों की मौत, रातापानी अभ्यारण्य के पास की घटना

रायसेन, एजेंसी। रायसेन जिले में एक सड़क हादसे में दो बाइक सवार युवकों की मौत हो गई। यह घटना सोमवार शाम करीब 5 बजे औबेदुल्लागंज थाना क्षेत्र की बरखेड़ा चौकी अंतर्गत हुई। एक तेज रफ्तार डंपर ने रातापानी अभ्यारण्य के गेट के सामने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक डंपर के पहियों के नीचे दब गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, भोपाल के हुजूर निवासी 24 वर्षीय गणेश विश्वकर्मा और बैतूल के चिचोली निवासी 32 वर्षीय राजेश गोरेलाल बाइक से भोपाल से बैतूल जा रहे थे। रातापानी गेट के पास एक तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

आरोपी डंपर चालक मौके से फरार: हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने डंपर जब्त कर लिया है और आरोपी चालक की तलाश जारी है।

सतना में इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर युवती का शोषण

यूपी के फतेहपुर से आरोपी गिरफ्तार; धमकी देकर करता रहा ब्लैकमेल

सतना, एजेंसी। सतना कोतवाली पुलिस ने सोशल मीडिया पर दोस्ती कर युवती का दैहिक शोषण करने वाले आरोपी को उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले से गिरफ्तार किया है। आरोपी पर शादी का झांसा देकर ब्लैकमेल करने और शोषण करने का आरोप है। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

टीआई राजेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि कुछ महीने पहले एक युवती की पहचान इंस्टाग्राम के जरिए सुशील चौधरी (22 वर्ष, निवासी मोहम्मद पुरगौती, थाना सुल्तानपुर, जिला फतेहपुर, यूपी) से हुई थी। आरोपी कई बार सतना आकर युवती से मिला।

चुपके से खींचीं फोटो, वायरल करने की धमकी दी: उसने चोरी-छिपे युवती की तस्वीरें खींच लीं और उन्हें वायरल करने की धमकी देकर उसका दैहिक शोषण शुरू कर दिया। पीड़िता ने इस उत्पीड़न से परेशान होकर बीते 14 अक्टूबर को कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 76 के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस टीम ने साइबर सेल की मदद से आरोपी सुशील की तलाश शुरू की। उसकी लोकेशन पहले मुंबई में मिली, जिसके बाद एक टीम उसे पकड़ने के लिए रवाना की गई। हालांकि, आरोपी को पुलिस की भनक लग गई और वह मुंबई से भागकर अपने गृह जिले फतेहपुर चला गया।

कोर्ट ने भेजा जेल, आईटी एक्ट की धारा भी जुड़ी: इसके बाद, पुलिस टीम को उत्तर प्रदेश भेजा गया। कई दिनों की मशक्कत के बाद जवानों ने आरोपी को फतेहपुर से गिरफ्तार कर सतना ले आए। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। इस मामले में बाद में बीएनएस की धारा 69 और आईटी एक्ट की धारा 67 भी जोड़ी गई हैं।

पन्ना में बाइक फिसलने से किसान गंभीर घायल, जिला अस्पताल रेफर

रिश्तेदारी से निमंत्रण कर लौटते समय हुआ हादसा

पन्ना, एजेंसी। पन्ना जिले में ठंड के कारण एक सड़क हादसा हुआ। निमंत्रण से लौट रहे 30 वर्षीय किसान बाल कृष्ण की बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद 2 दिसंबर को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुखरा निवासी बाल कृष्ण (30 वर्ष) ने बताया कि वह 1 दिसंबर की देर रात जनकपुर में रिश्तेदारी से निमंत्रण कर अपने गांव लौट रहे थे।

रास्ते में अत्यधिक ठंड थी, जिससे उन्हें कंपकंपी महसूस होने लगी। रक्सेहा के पास अचानक तेज ठंड के कारण उनका हाथ बाइक से नियंत्रण खो बैठा और तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित हो गई। इस दुर्घटना में किसान के हाथ, पैर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर सुधीर सिंह चौहान ने बताया कि किसान की हालत फिलहाल स्थिर है और उनका इलाज जारी है।

बुरहानपुर में 1 महीने में 28 गुमशुदा बच्चों को खोजा

बुरहानपुर में 1 महीने में 28 गुमशुदा बच्चों को खोजा

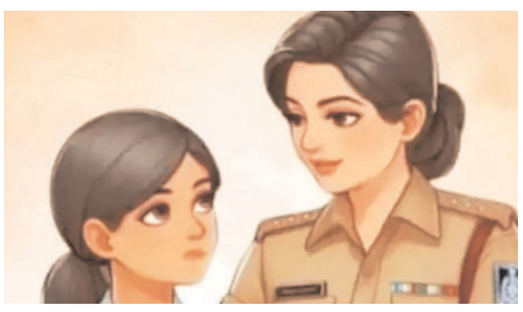

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत एक महीने में 28 गुमशुदा और अपहृत बच्चों को खोजकर उनके परिजनों को सुरक्षित सौंप दिया है। यह अभियान पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार के नेतृत्व में 1 से 30 नवंबर 2025 तक जिलेभर में चलाया गया। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार ने इस अभियान के लिए सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों को गुमशुदा बच्चों की शीघ्र तलाश के लिए विशेष निर्देश जारी किए थे।

4 लड़के और 24 लड़कियां हुईं गायब: विशेष पुलिस टीमों ने बच्चों की तलाश में कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों और जिलों में गहन खोजबीन की। इस दौरान कुल 28 बच्चों को बरामद किया गया, जिनमें 4 बालक और 24 बालिकाएं शामिल हैं। बरामद किए गए बच्चों में थाना शिकारपुर से 1, थाना लालबाग से 5, थाना गणपति नाका से 2, थाना नेपानगर से 1, थाना खकनार से 6, थाना शाहपुर से 8 और थाना निंबोला से 5 बच्चे शामिल हैं। अभियान के तहत बच्चों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने और उनके पुनर्वास में भी सहायता प्रदान की जा रही है।

सिवनी में नाबालिग को भगा ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार

6 माह से फरार आरोपी नागपुर से पकड़ा गया

सिवनी, एजेंसी। सिवनी के आदेगांव थाना क्षेत्र से एक नाबालिग लड़की को भगा ले जाने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने रात्रि के समय नागपुर से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पिछले छह माह से इस आरोपी की तलाश कर रही थी। एसडीओपी अपूर्व भलावी ने सुबह जानकारी देते हुए बताया कि नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने के इस मामले में छह महीने से फरार आरोपी को आदेगांव थाना पुलिस ने नागपुर से पकड़ा है।

पुलिस को यह सफलता लगातार निगरानी, तकनीकी जांच और मुखबिर तंत्र की सक्रियता के कारण मिली। यह घटना जुलाई 2025 की है। तब एक महिला ने आदेगांव थाने में अपनी नाबालिग बेटी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और बालिका को दो दिन बाद बरामद कर लिया था। इस दौरान दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि, तीसरा आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था और फरार हो गया था। लगातार छानबीन के बाद पुलिस को सूचना मिली कि फरार आरोपी नागपुर क्षेत्र में छिपा है। इस सूचना पर एक विशेष टीम नागपुर भेजी गई। टीम ने बोरी-बुट्टी, कलमना इलाके में दबिश देकर आरोपी को पकड़ा। आरोपी को सिवनी लाकर विधिवत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राज मेहरा उर्फ राहुल उर्फ प्रेमनारायण उर्फ बिल्ला पिता लक्ष्मण झारिया, उम्र 25 साल, निवासी ग्राम पाटन के रूप में हुई है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी आशीष धुर्वे, प्रधान आरक्षक संतोष मर्सकोले, आरक्षक संदीप उईके, धर्मेन्द्र सरयाम, जयप्रकाश उईके और अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

मकान निर्माण, पत्तल-दोना मशीन में धोखाधड़ी पर फैसला, खंडवा में उपभोक्ता फोरम ने दो ठेकेदार

एक व्यापारी पर दिए वसूली के आदेश

खंडवा, एजेंसी। खंडवा में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ने उपभोक्ताओं के हक में दो अहम फैसले सुनाए हैं। पहले मामले में मकान का काम अधूरा छोड़ने पर ठेकेदारों को 6.25 लाख रुपए 45 दिन में लौटाने का आदेश दिया गया है। वहीं, दूसरे मामले में एक बेरोजगार युवक को नई बताकर पुरानी पत्तल-दोना मशीन थमाने वाले विक्रेता को पूरी कीमत यानी 35 हजार रुपए वापस करने होंगे। सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारी पूनमचंद सांवरे और उनकी पत्नी ने कंचन नगर में अपने 800 वर्गफीट प्लॉट पर दो मंजिला मकान बनाने के लिए ठेकेदार कैलाश (पिता रूप सिंह) और कमल (पिता भगवान) से अनुबंध किया था। 1000 रुपए प्रति वर्गफीट मटेरियल के साथ कुल 18 लाख 90 हजार रुपए में यह काम 1 अप्रैल 2022 तक पूरा होना था।

17 लाख लेने के बाद भी अधूरा छोड़ा काम: सांवरे ने ठेकेदारों को कुल 17 लाख 20 हजार 857 रुपए का भुगतान कर दिया, लेकिन उन्होंने काम अधूरा छोड़ दिया। इसके बाद सांवरे ने अधिवक्ता देवेंद्र यादव के जरिए आयोग में अपील की। आयोग ने सिविल इंजीनियर शिवपाल मंडलोई से जांच कराई। रिपोर्ट में सामने आया कि भवन में 6 लाख 20 हजार 857 रुपए का काम अभी भी बाकी है।

45 दिन में पैसा नहीं दिया तो लगेगा 7त्न ब्याज: आयोग ने माना कि ठेकेदारों ने सेवा में कमी की है। उन्हें आदेश दिया गया है कि वे 45 दिनों के भीतर यह राशि फरियादी को लौटाएं। साथ ही 5 हजार रुपए वाद व्यय भी देना होगा। यदि 45 दिनों में राशि जमा नहीं की जाती, तो आदेश दिनांक से वसूली तक 7त्न वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

बेरोजगार को नई बताकर बेच दी पुरानी मशीन: दूसरे मामले में मदलिखेड़ा निवासी बेरोजगार युवक सुरेश सिसोदिया ने रोजगार के लिए बालाजी इंटरप्राइजेज से 15 अक्टूबर 2021 को 35 हजार रुपए में ऑटोमेटिक डबल डाई पत्तल-दोना मशीन खरीदी थी। विक्रेता ने इसे नई बताकर बेचा था, लेकिन मशीन पुरानी और खराब निकली।

दुकानदार बोला- 25 हजार ही वापस करूंगा: सुरेश ने शिकायत की तो विक्रेता ने मशीन बदलने या सुधारने से इनकार कर दिया। बाद में उसने मशीन के पूरे मूल्य की जगह केवल 25 हजार रुपए वापस करने की बात कही। सुरेश ने अधिवक्ता देवेंद्र यादव के माध्यम से आयोग में केस लगाया।

पूरी कीमत और हर्जाना लौटाने का आदेश: आयोग ने पाया कि मशीन दोषपूर्ण थी और विक्रेता ने अनुचित व्यापार व्यवहार किया है। आयोग ने विक्रेता को आदेश दिया कि वह सुरेश को मशीन की पूरी कीमत 35 हजार रुपए 45 दिनों के भीतर लौटाए। इसके अलावा उसे दो हजार रुपए का वाद व्यय भी देना होगा।

विदिशा में एसपी का औचक निरीक्षण, रात में कोतवाली और त्योंदा थाने पहुंचे

गश्त व्यवस्था परखी; सुरक्षा में कमी मिलने पर जताई नाराजगी

विदिशा, एजेंसी। विदिशा में चोरी की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने बीती रात कोतवाली और त्योंदा थानों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने रात्रिकालीन पुलिस व्यवस्था का जायजा लिया और ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों-कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए। एसपी ने कई स्थानों पर सुरक्षा में कमी पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की और तत्काल सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर पुलिस अधीक्षक अतुल सिंह, कोतवाली और त्योंदा थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद थे। एसपी ने रात्रि गश्त टीमों से इलाके की संवेदनशीलता, रूट पॉइंट, गश्ती वाहनों की उपलब्धता और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता पर विस्तृत रिपोर्ट ली।

बैंक-ATM और बाजारों पर निगरानी के निर्देश: उन्होंने गश्ती दलों को रात में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सख्ती से चेकिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही, बैंक, एटीएम, पेट्रोल पंप और मुख्य बाजारों पर विशेष निगरानी रखने तथा किसी भी सूचना पर तुरंत मौके पर पहुँचकर प्रभावी कार्रवाई करने को कहा।

लगातार चोरी की वारदातों से उठे थे सवाल: हाल के दिनों में विदिशा में चोरी की लगातार वारदातों के कारण पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे थे। इसे गंभीरता से लेते हुए एसपी काशवानी ने रात में शहर का औचक निरीक्षण किया।

नागरिकों की सुरक्षा के लिए पुलिस सतर्क: पुलिस अधीक्षक ने जोर देकर कहा कि विदिशा पुलिस नागरिकों की सुरक्षा और जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर समय सक्रिय और सतर्क है।

रोहित शर्मा की बैटिंग पर इरफान पठान ने की जमकर तारीफ, बोले- 38 की उम्र में भी फिटनेस पीक पर

पहले वनडे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने 57 रनों की शानदार पारी खेलकर अपनी दमदार फॉर्म का सबूत दिया। रांची के JSCA इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने 17 रनों से जीत दर्ज की, जिसमें रोहित का अर्धशतक बेहद अहम रहा। टेस्ट और टी20 से संन्यास लेने के बाद रोहित की यह पारी उनकी नई लय को दर्शाती है।

इर्फान पठान ने रोहित की फिटनेस और फॉर्म पर की खुलकर चर्चा: पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इर्फान पठान ने रोहित शर्मा की फिटनेस और बल्लेबाजी पर बड़ी प्रतिक्रिया दी। अपने यूट्यूब चैनल पर पठान ने कहा, रोहित शर्मा अपने करियर के सबसे अच्छे दौर में दिख रहे हैं। 38 साल की उम्र का बिल्कुल एहसास नहीं होता। उन्होंने फिटनेस में काफी सुधार किया है। लेकिन जिस तरह वे परिस्थितियों को भांपकर बल्लेबाजी कर रहे हैं, उनकी यह फिफ्टी दिखाती है कि वह किस मानसिकता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। रोहित शर्मा ने इस मैच में एक और बड़ा विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वे ODI क्रिकेट में सबसे तेज़ 350 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज़ बन गए। यानी रोहित पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए, जिन्होंने 300 से कम मैचों में यह आंकड़ा छुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए विराट कोहली, रोहित शर्मा औरचरुराहुल ने टीम को मजबूत शुरुआत दी। बाद में कुलदीप यादव ने 4 विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका की पारी पर ब्रेक लगा दिया। इसी प्रदर्शन की बदौलत भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। अब टीम इंडिया दूसरी ODI में 3 दिसंबर को नए रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में उतरेगी, जहां रोहित फिर एक बार फॉर्म को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे।

जूनियर महिला वर्ल्ड कप - भारत की नामीबिया पर बड़ी जीत, 13-0 से हराया

सैंटियागो (चिली), एजेंसी । भारतीय टीम ने पूल सी के अपने पहले मैच में नामीबिया को 13-0 से रौंद कर महिला एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप 2025 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड एस्टाडियो नैशनल में खेले गये मुकाबले में भारतीय टीम के लिए कनिका सिवाच ने (12वें, 30वें, 45वें) मिनट और हिना बानो (35वें, 35वें, 45वें) मिनट में शानदार हैट्रिक लगाकर स्कोरिंग में सबसे आगे रहीं, जबकि साक्षी राणा ने (10वें, 23वें) मिनट में दो गोल किए। भारत के शानदार प्रदर्शन में बिनिमा धन ने (14वें), सोनम ने (14वें), साक्षी शुक्ला ने (27वें), इशिका ने (36वें), और मनीषा ने (60वें) मिनट में एक-एक गोल किया। भारत ने शुरू में ही लय बना ली और विपक्षी टीम पर लगातार दबाव बनाए रखा। 10वें मिनट में सफलता मिली जब साक्षी राणा ने एक तेज रिवर्स फ्लिक से गोल किया। कनिका सिवाच ने जल्द ही एक जबरदस्त फिनिश के साथ अपना दूसरा गोल किया। इससे पहले बिनिमा धन और सोनम के तेज स्ट्राइक ने पहले क्वार्टर के आखिर तक स्कोर 4-0 कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में भी एकतरफा मुकाबला जारी रहा जब राणा ने अपना दूसरा गोल किया, और साक्षी शुक्ला ने पेनल्टी-कॉर्नर ड्रैगफ्लिक को गोल में बदला। सिवाच ने हाफ-टाइम से ठीक पहले एक और गोल करके बढ़त को 7-0 कर दिया। भारत ने तीसरे क्वार्टर में भी उसी लय के साथ शुरुआत की। हिना बानो ने जल्दी-जल्दी दो गोल किए, जिसमें एक टॉप-कॉर्नर फिनिश भी शामिल था, इसके बाद इशिका ने एक रिबाउंड पर गोल करके स्कोर डबल-डिजिट तक पहुंचाया। बानो ने पेनल्टी-कॉर्नर डिफ्लेक्शन से अपनी हैट्रिक पूरी की और सिवाच ने कुछ ही पल बाद अपनी हैट्रिक पूरी करके स्कोर को आखिरी क्वार्टर में 12-0 कर दिया। कई रोटेशन के बावजूद, भारत का दबदबा बना रहा और मनीषा के आखिरी पेनल्टी-कॉर्नर पर किए गए गोल ने 13-0 की जीत पूरी की।

केआईयूजी 2025 : चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की तान्या चौधरी ने मीट रिकॉर्ड तोड़कर हैमर थ्रो में गोल्ड जीता

जयपुर, एजेंसी। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की तान्या चौधरी ने सोमवार को यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 में महिलाओं के हैमर थ्रो में अपना ही मीट और ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी रिकॉर्ड तोड़कर गोल्ड मेडल जीता, जबकि जैन यूनिवर्सिटी की कीर्थना और शिवाजी यूनिवर्सिटी के रुशीप्रसाद देसाई को सबसे तेज़ महिला और पुरुष एथलीट का खिताब मिला। केआईयूजी 2025 का पांचवां एडिशन राजस्थान के सात शहरों में हो रहा है। 222 यूनिवर्सिटी के 4448 एथलीट 23 मेडल खेलों में मुकाबला कर रहे हैं। ये गेम्स स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के अंडर राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल के साथ मिलकर हो रहे हैं और पूर्णिमा यूनिवर्सिटी इन्हें होस्ट कर रही है। हांग्जो एशियन गेम्स में हिस्सा लेने वाली तान्या चौधरी ने 64.29 मीटर तक हैमर फेंका, जिससे उन्होंने अपना ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी रिकॉर्ड बेहतर किया और केआईयूजी पदकों की हैट्रिक पूरी की। तान्या के नाम पहले

का केआईयूजी मीट रिकॉर्ड 60.61 मीटर भी था। पंजाब यूनिवर्सिटी की हकीकत कौर ग्रेवा ने 51.90 मीटर के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि पंजाबी यूनिवर्सिटी की अमन दीप कौर का 45.06 मीटरका थ्रो ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने के लिए काफी था। तान्या ने साई मीडिया को बताया, ÷मैं नेशनल रिकॉर्ड बनाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन चीजें प्लान के मुताबिक नहीं हुईं। लेकिन मैं लगातार तीसरा खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स गोल्ड जीतकर खुश हूं।÷ चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने महिलाओं की शॉट पुट में भी गोल्ड मेडल जीता, जिसमें शिक्षा ने 15 मीटर की दूरी तय की। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी अब 13 गोल्ड के साथ ओवरऑल स्टैंडिंग में चौथे नंबर पर है। गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी 30 गोल्ड, 10 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज़ मेडल के साथ टॉप पर बनी हुई है। शाम के सेशन में, कीर्थना ने जैन यूनिवर्सिटी के लिए स्विमिंग पूल के बाहर पहला गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने 11.94 सेकेंड के टाइम के साथ महिलाओं की 100 मीटर रेस में गोल्ड मेडल जीता। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की टीना पारीक (12.18 सेकेंड) और हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी की स्मृति जामवाल (12.21 सेकेंड) ने एक के बाद एक सिल्वर और ब्रॉन्ज़ मेडल जीते। शिवाजी यूनिवर्सिटी के ऋषिप्रसाद देसाई ने पुरुषों की 100 मीटर रेस में 10.53 सेकेंड के टाइम के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी के लौकिक मेलगे (10.59 सेकेंड) और सोमैया विद्याविहार के जय भोईर (10.86 सेंकेंड) ने एक के बाद एक सिल्वर और ब्रॉन्ज़ मेडल जीते। इससे पहले, रवींद्रनाथ टैगोर को रिप्रेजेंट करने वाली बुसरा खान ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स में पहली गोल्ड मेडलिस्ट थीं, जिन्होंने महिलाओं की 5000 मीटररेस 18ः15.27 मिनट में जीती। कवयित्री बहिणाबाई यूनिवर्सिटी की पवारा रिंक धन्यी ने 18.20.52 में सिल्वर मेडल जीता। पुरुषों की 5000 मीटर रेस में, ललित नारायण मिथिला यूनिवर्सिटी के त्रिलोक कुमार ने 15ः06.16 में गोल्ड जीता, जबकि दीन दयाल उपाध्याय यूनिवर्सिटी के गौरव यादव ने 15ः49.23 में सिल्वर मेडल जीता। पूर्णिमा यूनिवर्सिटी फुटबॉल ग्राउंड पर, गुरु नानक यूनिवर्सिटी का महिलाओं की कैटेगरी में चौधरी बंसीलाल यूनिवर्सिटी, भिवानी के साथ फाइनल मुकाबला था। सेमीफाइनल में गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी ने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी को 2-1 से हराया, जबकि चौधरी बंसीलाल यूनिवर्सिटी ने गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी को 1-0 से हराया। उधर, उदयपुर में आयोजित बीच वॉलीबॉल में महिला वर्ग का गोल्ड वेल्स इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस एंड एडवांस्ड स्टडीज़ (टीएन) ने जीता जबकि सिल्वर करपाग्राम एकेडमी ऑफ़ हायर एजुकेशन को मिला। ब्रॉन्ज़ एसआरएमयूनिवर्सिटी के नाम रहा। इसी तरह पुरुष वर्ग का गोल्ड एसआरएम यूनिवर्सिटीने जीता। सिल्वर गोवा यूनिवर्सिटी और ब्रॉन्ज़ करपाग्राम एकेडमी ऑफ़ हायर एजुकेशन ने जीता।

क्रिकेट मैदान के बाद अब यहां इतिहास रचेंगी हरमनप्रीत कौर

जयपुर, एजेंसी । जयपुर वैक्स म्यूजियम में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के वैक्स स्टैच्यू को बनाने का काम शुरू हो गया है। हरमनप्रीत दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर होंगी, जिनका अपना वैक्स स्टैच्यू होगा। यह उपलब्धि क्रिकेट जगत में उनके असाधारण प्रभाव को दर्शाती है। म्यूजियम से जुड़ी एक टीम ने हाल ही में वनडे विश्व कप विजेता कप्तान हरमनप्रीत से मुलाकात की, ताकि उनके शरीर का सही माप लिया जा सके। इसके लिए टीम ने हाई-क्वालिटी तस्वीरें और वीडियो शूट किए, जो स्टैच्यू बनाने के लिए जरूरी रेफरेंस का काम करेंगे। म्यूजियम से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि डिटेल्ड सेशन के दौरान हरमनप्रीत बहुत विनम्र नजर आईं, उन्होंने इसके लिए टीम का सहयोग किया। हरमनप्रीत ने वैक्स फिगर बनाने के स्टेप-बाय-स्टेप प्रोसेस को समझने में गहरी दिलचस्पी दिखाई। इस दौरान भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान ने म्यूजियम के खास आकर्षणों में से एक शीश महल की भी तारीफ की। म्यूजियम के क्यूरेटर और फाउंडर अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि हरमनप्रीत इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित थीं। उन्होंने इसके लिए जयपुर वैक्स म्यूजियम का शुक्रिया अदा किया है। 300 साल पुरानी हेरिटेज साइट में बना जयपुर वैक्स म्यूजियम एक अनोखा सांस्कृतिक आकर्षण बना हुआ है, जिसमें इतिहास, कला और राष्ट्रीय गौरव का मेल है। श्रीवास्तव ने बताया कि जयपुर वैक्स म्यूजियम बॉलीवुड सेलेब्रिटीज पर ज्यादा फोकस करने के बजाय, समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाले आइकॉन के स्टैच्यू बनाने की अनोखी पॉलिसी को फॉलो करता है।

IPL छोड़ PSL का रास्ता: KKR से रिलीज होने के बाद इस खिलाड़ी ने पाकिस्तान का किया रुख

दो बार के IPL विजेता मोईन अली ने एक बार फिर पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) का रुख किया है। KKR द्वारा रिलीज किए जाने के बाद इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर ने IPL 2026 मिनी ऑक्शन में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया और पांच सीजन बाद PSL में वापसी की घोषणा कर दी। उन्होंने यह जानकारी 1 दिसंबर को सोशल मीडिया के जरिए साझा की। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस भी PS रुका रुख कर चुके हैं, जिन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने रिलीज किया था।

मोईन अली का बयान: मोईन अली ने लिखा, 'PSL अपने उच्चस्तरीय T20 क्रिकेट, बेहतरीन प्रतिस्पर्धा और हर टीम में विश्वस्तरीय प्रतिभा के लिए मशहूर है। पाकिस्तान में खेलना हमेशा खास होता है। यहां की क्रिकेट क्वालिटी, भीड़ का जुनून और ऊर्जा आपको अपना बेस्ट देने के लिए मजबूर कर देती है। मैं PSL के नए दौर का हिस्सा बनने और शानदार यादें बनाने के लिए बेहद उत्साहित हूं।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में शुभमन गिल के खेलने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। कप्तान शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हुए थे, जिसके बाद वह अगला टेस्ट नहीं खेल सके। गिल मेहमान टीम के खिलाफ वनडे सीरीज का भी हिस्सा नहीं हैं, लेकिन अब उनके टी20 सीरीज में खेलने की उम्मीद है। शुभमन गिल के सोमवार से बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में होने की उम्मीद है। गिल अपनी गर्दन की चोट की रिकवरी के लिए तुरंत रिहैब शुरू करेंगे। उम्मीद है कि सीओई टी20 फॉर्मेट के उपकप्तान को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट फिर से शुरू करने की इजाजत दे सकता है। शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए टेस्ट सीरीज के पहले मैच की पहली पारी में चौका लगाने के दौरान चोटिल हुए थे। इसके बाद गिल दोबारा इस सीरीज में नहीं खेल सके। इसके बाद गिल अपनी गर्दन की चोट को लेकर सलाह लेने के लिए मुंबई में स्पेशलिस्ट के पास गए। उन्होंने अपने घर लौटने से पहले तीन दिन वहीं बिताए। उस बीच गिल ने अपना पर्सनल रिहैब जारी रखा। सोमवार को वह बेंगलुरु के लिए निकले।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 9 दिसंबर से शुरू होगी। अगले कुछ दिनों में इसके लिए भारतीय टीम के चुने जाने की उम्मीद है। शुभमन गिल ने अपनी रिकवरी पर कड़ी मेहनत की है। वह जल्द से जल्द मैदान पर लौटने के लिए बहुत उत्सुक हैं।

सूत्रों ने क्रिकबज से कहा, ÷गिल ने रिहैब प्रोसेस के दौरान बहुत मेहनत की है। अब वह सीओई में है। अगर सब कुछ प्लान के मुताबिक रहा, तो गिल 6-7 दिसंबर तक कटक में होंगे, जब टी20 टीम के इकट्ठा होने की उम्मीद है।÷

ऐसी उम्मीद की जा रही है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी साउथ अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में खेलते नजर आ सकते हैं। बुमराह को वनडे सीरीज से आराम दिया गया है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 9 दिसंबर को कटक में पहला टी20 मुकाबला खेला जाएगा, जिसके बाद 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में अगले मैच का आयोजन होगा।

दोनों देश धर्मशाला में 14 दिसंबर को सीरीज का तीसरा मैच खेलेंगे। लखनऊ में 17 दिसंबर को सीरीज का चौथा मैच खेला जाएगा, जबकि 19 दिसंबर को अहमदाबाद में सीरीज के पांचवें मैच का आयोजन होगा।

रोहित-कोहली के विश्व कप खेलने पर अटकलें, कोच सितांशु कोटक ने बल्लेबाजी को सराहा

रांची, एजेंसी। विराट कोहली और रोहित शर्मा के आगामी वनडे विश्व कप में खेलने को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक यह नहीं समझ पा रहे हैं कि मौजूदा फॉर्म को देखते हुए इन खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर बहस क्यों हो रही है। रविवार को रांची में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मैच में कोहली ने 120 गेंदों में 135 रन बनाए। कोहली ने इस मैच के दौरान पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के साथ 136 रन की साझेदारी की। कोहली ने फरवरी में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद सेंचुरी लगाई थी। दूसरी ओर, साउथ अफ्रीका के खिलाफ रांची में खेले गए वनडे मैच में रोहित शर्मा ने 57 रन की पारी खेली थी। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इस खिलाड़ी ने 73 और 121* रन बनाए थे। विराट कोहली को 83वें अंतरराष्ट्रीय शतक के लिए तारीफ मिल रही है, लेकिन सवाल उठ रहे हैं कि क्या वह विश्व कप 2027 तक रोहित शर्मा के साथ वनडे फॉर्मेट में खेलना जारी रखेंगे। इस पर

प्रतिक्रिया देते हुए, कोटक ने कहा कि इस सब के बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि अगले वनडे वर्ल्ड कप से पहले काफी अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाने हैं। सितांशु कोटक ने कहा, फ्जिस तरह से कोहली बैटिंग कर रहे हैं, वह शानदार है। जिस तरह से वह परफॉर्म कर रहे हैं, जैसी उनकी फिटनेस है, इन्हें लेकर किसी भी तरह का सवाल नहीं है। मुझे लगता है कि जिस तरह से वह खेलते हैं और परफॉर्म करते हैं, उसके बाद ऐसी चीजों (वर्ल्ड कप 2027) पर बात भी नहीं करनी चाहिए। विश्व कप अभी जो दो साल दूर है। अभी इसके बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है। हमारे लिए, एक बार जब टीम आ जाती है और हम प्रैक्टिस शुरू करते हैं, तो हम बस खेल का लुत्फ उठाते हैं।

कोटक ने रोहित शर्मा और विराट कोहली को लेकर कहा, जाहिर है, वे अपना अनुभव अन्य खिलाड़ियों के साथ शेयर करते हैं। मुझे नहीं लगता कि हम अभी वर्ल्ड कप 2027 के बारे में कुछ बात कर रहे हैं। वे बस शानदार हैं। वह अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वे टीम में योगदान दे रहे हैं, जो हमारे लिए बहुत अच्छी बात है। वे बेहद अनुभवी खिलाड़ी हैं, उनका टीम में होना हमेशा बहुत अच्छा होता है। जिस तरह से वे बैटिंग करते हैं, उससे बहुत फर्क पड़ता है। जाहिर है, उन्होंने बहुत अच्छी बैटिंग की है।

फोर्ट रामगढ शतरंज टूर्नामेंट 2025

सात्विक प्रथम, तनुष द्वितीय व प्रतीक वाधवा ने बाजी मारी

पंचकूला, एजेंसी। चंडीगढ़ और आसपास के युवाओं में शतरंज खेल को बढ़ावा देने और इस खेल में प्रतिस्पर्धा के माध्यम से मेधावी खिलाडियों का मनोबल बढ़ाने के भाव से पंचकूला के सेक्टर 6 स्थित जिमखाना क्लब में रामगढ फोर्ट के राजा अमर सिंह व अमिताभ सिंह चंदेल और FIDE प्रशिक्षक ऋषि कपूर (सिंगापुर) द्वारा एक दिवसीय फोर्ट रामगढ़ शतरंज टूर्नामेंट 2025 प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे चंडीगढ़ और आसपास के 60 खिलाडियों ने इसमें भाग लिया 7 प्रतियोगिता का उद्घाटन एयरफोर्स से रिटायर्ड यशपाल कपूर और सुप्रसिद्ध चार्टेड अकाउंटेंट संजय कपूर के कर कमलों द्वारा हुआ जबकि विजेताओं को आयोजकों ने अपने कर कमलों द्वारा पुरूस्कार देकर सम्मानित किया गया । ओपन श्रेणी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार एजीएम सात्विक - पूर्ण 5/5 अंक, द्वितीय पुरस्कार तनुश और तृतीय पुरस्कार-एएफएम प्रतीक वाधवा ने अपने नाम किया और शीर्ष प्रदर्शन करने वालों को कुल ?20,000 नकद पुरस्कार और ट्रॉफी प्रदान की गई । इस मौके पर रामगढ फोर्ट के राजा अमर सिंह चंदेल ने सभी विजेताओं को बधाई प्रदान करते हुए कहा कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाडियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और शय और मात की इस बाजी में उपरोक्त तीनों

विजेताओं ने अपने प्रतिद्वंदियों द्वारा दी गयी कांटे की टक्कर के बावजूद ट्रॉफी अपने नाम की जोकि एक मिसाल है । इस अवसर पर अमिताभ सिंह चंदेल ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाडियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि खेल कोई भी हो, कोई जीते या हारे , पर जो भी हमें सीख देता है वो अगली बार इस से और अधिक बढ़िया करने के लिए प्रोत्साहित करता है । हार या जीत कोई मायने नहीं करती । मायने ये करती है कि कैसे । खेल को खेल के भाव से ही खेलना चाहिए और अपने से जीते हुए खिलाडी से सीख लेने वाला ही शतरंज का बाजीगर कहलाता है । उन्होंने ऋषि कपूर द्वारा शतरंज की खेल को लोगों के बीच बढ़ावा देने के भाव को प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि स्वयं ऋषि कपूर भी शतरंज के खेल के अनुभवी खिलाडी रहे हैं और उन्होंने अपने हुनर से न जाने कितने खिलाडियों को इसके लिए न केवल प्रेरित किया बल्कि उनको इस खेल के गुर भी सिखाये हैं । आज इस प्रकार की प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर उन्होंने सभी लोगों को बधाई प्रदान की ।

हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप में भारतीय टीम अजेय, खिताब पर कोच श्रीजेश की निगाहें

मदुरै। भारतीय टीम एफआईएच हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप 2025 में अजेय है। कोच पीआर श्रीजेश का मानना है कि खिलाड़ियों को आत्मविश्वास बनाए रखते हुए अपना सामान्य गेम खेलना चाहिए। टीम का लक्ष्य सिर्फ टूर्नामेंट जीतना है। जूनियर वर्ल्ड कप में भारत ने अपने दोनों शुरुआती मुकाबले चेन्नई में खेले, जिसमें जीत दर्ज की। टीम ने अब तक एक भी गोल नहीं खाया है। इस बीच भारत ने चिली के खिलाफ 7-0 से जीत दर्ज की, जबकि ओमान के विरुद्ध मुकाबला 17-0 से जीता। अब भारत मंगलवार को अपने अंतिम ग्रुप लीग मैच में स्विट्जरलैंड का सामना करेगा। इस मुकाबले से पहले कोच पीआर श्रीजेश ने आईएएनएस से कहा, ÷जब आप जूनियर वर्ल्ड कप की तैयारी कर रहे होते हैं, तो यह हमेशा जरूरी होता है कि आप अपना शत प्रतिशत दें। आप उसे जीतने का सपना देखें। इसलिए, मुझे लगता है कि हमारे लिए यह बहुत जरूरी है कि हम आत्मविश्वास बनाए रखें और बस अपना सामान्य गेम खेलें। हमें बस टूर्नामेंट जीतना है।÷

पीआर श्रीजेश ने जर्मन टीम को सराहते हुए कहा, ÷यह एक अच्छी टीम है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि सेमीफाइनल या फाइनल में हमारा उनसे मुकाबला हो। हालांकि, मुझे नहीं पता कि यह सफर कैसा रहेगा, क्योंकि ये सभी टॉप नौ टीमें काफी अच्छी हैं।÷

भारतीय टीम ने 28 नवंबर को टूर्नामेंट का अपना पहला मैच चिली के खिलाफ खेला था। पूल-बी के इस

मुकाबले में टीम इंडिया ने 7-0 से जीत दर्ज की।

इस मुकाबले में भारत की तरफ से रोसन कुजूर (16वें मिनट और 21वें मिनट) और दिलराज सिंह (25वें मिनट और 34वें मिनट) ने दो-दो गोल दागे, जबकि अजीत यादव (35वें मिनट), अनमोल एक्का (48वें मिनट) और रोहित (59वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। अपने अगले मुकाबले में भारत ने ओमान को 17-0 से रौंदा। इस मुकाबले में भारत की तरफ से मनमीत सिंह (17वें मिनट, 26वें मिनट और 36वें मिनट), अर्शदीप सिंह (चौथे मिनट, 33वें मिनट और 40वें मिनट) और दिलराज सिंह (29वें मिनट, 32वें मिनट और 58वें मिनट) ने गोल की हैट्रिक लगाई। अजीत यादव (34वें मिनट और 47वें मिनट), गुरजोत सिंह (39वें मिनट और 45वें मिनट) और इंगालेम्बा थौनाओजम लुवांग (43वें मिनट और 50वें मिनट) ने दो-दो गोल किए। इनके अलावा, अनमोल एक्का (29वें मिनट) और सरदा नंद तिवारी (55वें मिनट)

कमिश्नर्स-कलेक्टर्स कान्फ्रेंस के बिन्दुओं पर तत्परता से कार्यवाही करें : कमिश्नर

ई आफिस में रीवा संभाग को टाप-10 में पहुंचाएं : कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद ने संभागीय समीक्षा बैठक में कहा कि कमिश्नर-कलेक्टर्स कान्फ्रेंस में दिए गए निर्देशों से जुड़े बिन्दुओं पर सभी अधिकारी तत्परता से कार्यवाही करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। जिला स्तरीय अधिकारियों से निर्धारित बिन्दुओं के संबंध में नियमित रूप से प्रतिवेदन लें। सीएम हेल्पलाइन में वर्तमान माह तथा 50 दिन से अधिक अवधि में बड़ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। इनका तत्परता से निराकरण कराएं। संभागीय अधिकारी भी लंबित पत्रों के कम से कम पाँच आवेदकों से स्वयं संपर्क करके आवेदन पत्र का निराकरण सुनिश्चित करें। ई आफिस व्यवस्था में सभी अधिकारी अच्छा कार्य कर रहे हैं। ई आफिस में संभागों की ग्रेडिंग में रीवा संभाग प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। संभाग और जिलों की सम्मिलित रैंकिंग में संभाग 11वें स्थान पर है। सभी अधिकारी फाइल क्रियेशन और मूवमेंट में गति लाकर संभाग को सामूहिक रैंकिंग में टाप-10 में पहुंचाएं। जिला स्तरीय कार्यालयों में भी ई आफिस प्रणाली लागू होने की समीक्षा करें।

कमिश्नर ने कहा कि खाद की नियमित आपूर्ति हो रही है। सहकारी समिति तथा डबल लॉक केन्द्रों से खाद का व्यवस्थित वितरण कराएं। खाद वितरण केन्द्र में किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो। गेंहू में सिंचाई शुरू होते ही यूरिया खाद की मांग बढ़ेगी। यूरिया का पर्याप्त भण्डारण कराएं। संयुक्त संचालक पशुपालन नए मिल्क रूट निर्माण तथा गौशालाओं के संचालन की निगरानी करें।

कामधेनु योजना में लक्ष्य के अनुसार प्रकरण दर्ज कराकर दिसम्बर में ही स्वीकृत और वितरित कराएं। स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास के अधिकारी संभाग और जिला स्तर पर संयुक्त रूप से स्वास्थ्य संस्थाओं का निरीक्षण करें। स्वास्थ्य केन्द्रों में गर्भवती महिलाओं की जाँच, टीकाकरण, सुरक्षित प्रसव, शिशु मृत्यु दर एव मातृ मृत्यु दर को नियंत्रित करने के प्रयासों तथा कुपोषण पर नियंत्रण के प्रयासों की समीक्षा करें। जिला स्वास्थ्य समिति और जिला पोषण समिति की हर माह बैठक आयोजित कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

कमिश्नर ने अग्रणी बैंक प्रबंधक को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना तथा पीएम विश्वकर्मा के बैंकों में लंबित प्रकरण निराकृत करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि संभाग के दूरस्थ क्षेत्रों में सभी संभागीय अधिकारी भ्रमण पर जाएंगे। पहला दौरा दिसम्बर माह के तीसरे सप्ताह में सतना जिले के मझगवां ब्लाक में होगा। इसके बाद सीधी जिले के कुसमी और सिंगरौली जिले के चितरंगी ब्लाक का दौरा होगा।

कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित प्रकरणों का भी निराकरण कराएं। बैठक में संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त राजस्व एलआर अहिरवार, संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय तथा संभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पैरा में पंडित सुदर्शन राम की पुण्यतिथि पर विशाल नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ग्राम पंचायत पैरा में पंडित सुदर्शन राम दुबे की पुण्य स्मृति में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 29 नवंबर 2025 को विशाल नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन माधव प्रसाद दुबे एवं सहयोगियों द्वारा सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय, जानकी कुंड के चिकित्सकों के सहयोग से किया गया।

शिविर में कुल 355 मरीजों का परीक्षण किया गया। इनमें से 40 मरीजों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन हेतु विशेष वाहन द्वारा चित्रकूट के लिए भेजा गया। इसके अलावा, सद्गुरु चिकित्सालय एवं क्षेत्रीय विधायक श्री सिद्धार्थ तिवारी के सौजन्य से 230 लोगों को निशुल्क चश्मा वितरित किया गया।

कार्यक्रम में जवा अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी पीयूष भट्ट, समाजसेवी वी डी पांडे, वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. अनिल तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार रामलखन गुप्ता, राजकुमार मिश्रा, तरुणेन्द्र द्विवेदी, राजकुमार दुबे, माधव नारायण पाठक, शेषमणि मिश्र, विजय गुप्ता, श्याम बिहारी तिवारी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सद्गुरु चिकित्सालय के डॉ. भीष्म शुक्ला ने बताया कि माधव प्रसाद दुबे एवं उनके सहयोगियों के प्रयासों से जवा, चाक एवं डभौरा में हर माह निश्चित तारीख को नेत्र शिविर का आयोजन किया जाता है, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोग उच्च गुणवत्ता वाली नेत्र सेवाओं का लाभ उठा सकें।

माधव प्रसाद दुबे ने कहा कि पंडित सुदर्शन राम दुबे की पुण्यतिथि पर आयोजित यह शिविर उनकी स्मृति को सम्मान देने के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवा का प्रतीक भी है। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों का धन्यवाद किया, जिनके सहयोग से यह शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हो सका।

इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने भी ग्रामीण जनता के लिए इस प्रकार के शिविरों के आयोजन की सराहना की और भविष्य में ऐसे सामाजिक प्रयासों को बढ़ावा देने का आश्वासन दिया।

विश्व एड्स दिवस पर निर्माणाधीन साइटों पर जागरूकता अभियान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी की रीवा इकाई के अंतर्गत सभी पैकेजों की निर्माणाधीन साइटों पर श्रमिकों और स्थानीय लोगों को एआईवी एड्स के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य एआईवी के फैलने के कारणों के बारे में जानकारी देना, इससे बचाव के उपाय समझाना तथा समय पर जांच और उपचार के महत्व को उजागर करना है। कार्यक्रम के दौरान श्रमिकों को सुरक्षित व्यवहार, व्यक्तिगत सावधानियों और कार्यस्थल पर स्वास्थ्य सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई, ताकि वे स्वयं और अपने परिवार को सुरक्षित रख सकें। इस जागरूकता अभियान के सफल आयोजन में संविदाकार का स्टाफ, सब-इंजीनियर, फील्ड इंजीनियर और सोशल सेफगार्ड प्रोफेशनल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का समन्वय सामुदायिक विकास अधिकारी शैलेश कुमार तिवारी द्वारा किया गया। इस पहल के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा की समझ बढ़ाने और सुरक्षित कार्य वातावरण स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए दिया गया ऑनलाइन प्रशिक्षण

दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में दुर्घटना रोकने के उपाय तत्काल करें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने तथा दुर्घटना होने पर पीड़ितों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के संबंध में ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया। भोपाल से वरिष्ठ अधिकारियों ने रीवा जिले में सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख स्थानों तथा दुर्घटना रोकने के उपायों के संबंध में मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षण में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि लोक निर्माण विभाग, एमपीआरडीसी, एनएचआई तथा सड़क निर्माण से जुड़े अन्य विभागों के अधिकारी दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में दुर्घटना रोकने के उपाय तत्काल करें। सर्वे में चिन्हित तीन प्रमुख सड़कों के दुर्घटना संभावित स्थलों का चिन्हांकन करके इनमें मिलने वाली सड़कों पर स्पीडब्रेकर बनाएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ट्रामा सेंटर में उपचार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। डायल 108 के रिस्पांड टाइम में कमी लाएं। आगामी टीएल बैठक में इस संबंध में किए गए प्रयासों की जानकारी दें। दुर्घटना रोकने के लिए प्रशिक्षण में 20 बिन्दुओं पर कार्यवाही का सुझाव दिया गया है। संबंधित अधिकारी इन पर तत्परता से कार्यवाही करें। जिला परिवहन अधिकारी दुर्घटना रोकने के लिए शामिल विभागों का व्हाट्सऐप ग्रुप बनाकर संबंधित अधिकारियों को उसमें जोड़ें।

प्रशिक्षण में जिले के तीन क्रिटिकल कॉरिडोर तथा लोकेशन की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में बताया गया कि जिले के पाँच थाना क्षेत्रों में सर्वाधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। इन्हें रोकने के लिए पुलिस विभाग को भी समुचित प्रयास करना आवश्यक है। प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, डिप्टी कलेक्टर जीपी अग्रवाल परिवहन अधिकारी मनीष त्रिपाठी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बरहठा की बेटी ओशिन सोलंकी बनी जज, मेहनत और लगन को मिली कामयाबी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के जवा तहसील अंतर्गत भनिगवा बरहठा की बेटी ओशिन सिंह सोलंकी ने अपने कठिन परिश्रम और लगन से जज बनने का गौरव प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर उनके परिवार और समाज में खुशी की लहर दौड़ गई है। ओशिन सोलंकी समाज में सम्मानित परिवार से हैं। उनके दादा स्वर्गीय रविराज सिंह सोलंकी वरिष्ठ समाजसेवी थे, बड़े पिता राजबहादुर सिंह सोलंकी अध्यक्ष अधिवक्ता संघ त्योंथर, पिता दल बहादुर सिंह सोलंकी वरिष्ठ अधिवक्ता जिला सत्र न्यायालय रीवा, और माता आदर्श सिंह सोलंकी हैं।

ओशिन सोलंकी के जज बनने पर उनके परिवारजनों सहित नारायण द्विवेदी, सोमधर पांडेय, जय प्रकाश तिवारी, बुद्धिमान सिंह, महेंद्र सिंह, जीतेन्द्र सिंह, बीरेंद्र सिंह, बिनोद पांडेय, धानेन्द्र पांडेय, नत्थू मंडलम अध्यक्ष गाढ़ा 137 कांग्रेस कमेटी जवा रीवा और पत्रकार कुशमेन्द्र सिंह ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य और सफलता की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि मेहनत, लगन और ईमानदारी से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। ओशिन सोलंकी की इस सफलता से न केवल उनका परिवार बल्कि पूरे इलाके में गर्व और उत्साह का माहौल बना हुआ है।

पैरामेडिकल छात्रों के साथ करोड़ों की धोखाधड़ी, श्याम शाह मेडिकल कॉलेज में सुविधा का अभाव, व्यवस्था दयनीय

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ला के गृह जिले रीवा में स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर अव्यवस्थाओं का मामला लगातार सामने आ रहा है। अब श्याम शाह मेडिकल कॉलेज में संचालित पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में छात्रों के साथ धोखाधड़ी की गंभीर शिकायतें सामने आई हैं। कॉलेज में एमबीबीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल तीनों कोर्स एक ही बिल्डिंग में संचालित हो रहे हैं। जबकि नर्सिंग के लिए तृतीय तल पर अलग जगह दी गई है, पैरामेडिकल छात्रों के पास कोई अलग बिल्डिंग, लेक्चर हॉल या फैकल्टी नहीं है। उनके लिए उसी फैकल्टी से दोहरा काम कराया जा रहा है जो एमबीबीएस छात्रों को पढ़ाती है।

छात्रों का कहना है कि कभी नियमित क्लास नहीं लगती, केवल पैथालॉजी टेक्नीशियन की कक्षाएं चल रही हैं। इस कारण अधिकांश छात्र परीक्षा में असफल हो जाते हैं। 2021-22 के छात्रों के थर्ड ईयर का परीक्षा फार्म भी भर नहीं पाए और प्रथम वर्ष का पूरक परीक्षा परिणाम भी लंबित है। इस वजह से लगभग 15-20 छात्र सीधे प्रभावित हुए हैं। पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में वर्तमान में 300 से अधिक छात्र प्रवेश लिए हुए हैं। 2023-24 में 185 और 2024-25 में 165 छात्रों ने प्रवेश लिया। 13 कोर्स संचालित हो रहे हैं, जबकि कुल 205 सीटें स्वीकृत हैं। औसतन एक छात्र से दो साल के कोर्स में 1 लाख रुपए तक फीस वसूली जाती है।

छात्रों का आरोप है कि कॉलेज प्रशासन फीस तो वसूलता है, लेकिन पढ़ाई और सुविधाओं के मामले में पूरी तरह लापरवाह है। प्राइवेट संस्थानों में जहां पूरा सेटअप होता है, वही सरकारी कॉलेज में 'खिचड़ी' व्यवस्था चल रही है। छात्रों का कहना है कि पैरामेडिकल के लिए अलग भवन और फैकल्टी की नियुक्ति अब तक नहीं की गई है। छात्रों और शिक्षाविदों ने सरकार और कॉलेज प्रशासन से तुरंत उचित व्यवस्था, अलग बिल्डिंग और नियमित कक्षाओं की मांग की है, ताकि करोड़ों की फीस देने वाले छात्र ठगे हुए महसूस न करें।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कुंवर सिंह बने पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय समन्वयक, पार्टी में खुशी की लहर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसानो की आवाज उठाने और कांग्रेस पार्टी के प्रति ईमानदारी एवं समर्पण से कार्य करने वाले वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष कुंवर सिंह पटेल को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा पिछड़ा वर्ग विभाग का राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर (समन्वयक) नियुक्त किया गया है। यह निर्णय कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं नेताओं के बीच उत्साह और गर्व का कारण बना है। कुंवर सिंह को यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपे जाने पर उन्होंने अपने सभी वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने के लिए पूरी लगन और शक्ति के साथ कार्य करेंगे। कुंवर सिंह का कहना है कि यह नियुक्ति सिर्फ उनके व्यक्तिगत संघर्ष की नहीं, बल्कि उन सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत और पार्टी के प्रति उनके समर्पण की पहचान है।

कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता विनोद शर्मा ने राष्ट्रीय नेतृत्व: राष्ट्रपति मल्लिकार्जुन खड़गे, वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जय हिंद, कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य कमलेश्वर पटेल, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक सामान्य से कार्यकर्ता को राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर बनाकर पार्टी ने उनके संघर्ष को पहचान दिया है। इस अवसर पर कई कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कुंवर सिंह को बधाई दी।

जिनमें शामिल हैं अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष हेमराज साकेत, राजू पांडेय, अनिल त्रिपाठी, अरुण तिवारी मुन्नू, धीरेंद्र मिश्रा राहुल, अभिमन्यु त्रिपाठी, रामकलेश रावत, गणेश सिंह, महेंद्र सिंह, कोशल पटेल, यूथ कांग्रेस के शाहपुर ब्लॉक अध्यक्ष विवेक सिंह, विधानसभा अध्यक्ष विष्णु प्रताप सिंह, युवा नेता अविराज, एडवोकेट शिव सिंह, ओबीसी दिनेश पटेल, डॉक्टर उमेश पटेल, किसान नेता अनिल सिंह और पत्रकार कुशमेन्द्र सिंह।

संयुक्त कलेक्टर ने जनसुनवाई में 30 आवेदकों की सुनीं समस्याएं

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार मऊगंज में आयोजित जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर एपी द्विवेदी ने 30 आवेदकों की समस्याएं सुनीं तथा जनसुनवाई के दौरान प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सभागार में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचे कन्या हायर सेकंडरी विद्यालय मऊगंज के शिक्षक शंखलाल पटेल ने क्रमोन्नति संबंधी राशि भुगतान कराए जाने का आवेदन देते हुए कहा कि एक किस्त का भुगतान कर दिया गया लेकिन एक किस्त का आज तक भुगतान नहीं किया गया। नईगढ़ी तहसील के मौलिया गांव निवासी भुअर कोल ने बारिश में क्षतिग्रस्त हुए घर का मुआवजा भुगतान कराए जाने का आवेदन दिया। इसी गांव के निवासी भैयालाल कोल ने जमीन का नक्शा फीडिंग कराए जाने का आवेदन दिया। पटेहरा गांव निवासी मनवहोर यादव ने नक्शा तरमीन कराए जाने का आवेदन दिया। बेला भाटन गांव निवासी इष्टदेव तिवारी ने ग्राम पंचायत मटियरा के सरपंच एवं सचिव की वित्तीय अनियमितताओं के जांच उपरांत गठित जिला स्तरीय दल से सहायक यंत्री आरपी मिश्र को अलग किए जाने संबंधी आवेदन दिया। राम शिरोमणि पटेल निवासी चंदेह ने सीमांकन एवं नक्सा तरमीम तो हनुमना तहसील अंतर्गत गौरी गांव वासियों ने रास्ते से जर्जर पेड़ को कटवाए जाने संबंधी आवेदन दिया। जनसुनवाई में संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने 50 आवेदन पत्रों में की जनसुनवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने 50 आवेदकों की समस्यायें सुनीं तथा प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभागीय अधिकारियों को समुचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इस दौरान अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी तथा संयुक्त कलेक्टर जीपी अग्रवाल ने भी आवेदकों की समस्यायें सुनीं।

जनसुनवाई में सिरमौर तहसील के ग्राम बैकुंठपुर निवासी सियादुलारी सहित अन्य ने अवैध कब्जा किए जाने से बेदखली हेतु कार्यवाही का आवेदन दिया। कलेक्टर ने तहसीलदार को प्रकरण में कार्यवाही के निर्देश दिए। मनगवां तहसील के ग्राम दुअरा निवासी अनिल शुक्ला सहित अन्य ग्रामवासियों ने घरों में विद्युत सप्लाई बंद होने तथा लटकते केबिल से जनहानि होने की की शिकायत की। कलेक्टर ने अधीक्षण यंत्री को तत्काल समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए। हुजूर तहसील के ग्राम निपनिया निवासी कृष्ण कुमार पटेल ने अपनी भूमि का खसरा एवं रकवा की जांच कराने तथा भूमिस्वामी घोषित किए जाने का आवेदन दिया। कलेक्टर ने प्रभारी अधिकारी भू अभिलेख को कार्यवाही के निर्देश दिए। रीवा में रहकर आईटीआई की पढ़ाई करने वाले छिंदवाड़ा जिले के ग्राम गुरैया निवासी दिव्यांग विजेंद्र चौकसे ने आर्थिक सहायता प्रदान करने का आवेदन दिया। कलेक्टर ने संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय को आवेदन में तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में लालगांव के ग्राम भौखरी निवासी पुष्पेंद्र मिश्रा ने खसरा सुधार का आवेदन दिया। कलेक्टर ने तहसीलदार को कार्यवाही के निर्देश दिए। ग्राम बघवारी निवासी दयानंद उपाध्याय ने अपने पट्टे एवं कब्जे की भूमि से अवैध कब्जा हटाए जाने का आवेदन दिया। कलेक्टर ने एसडीएम त्योंथर को आवेदन पत्र के निराकरण के निर्देश दिए। ग्राम गहिरा निवासी जितेंद्र मिश्रा ने जमीन नामांतरण, ग्राम कुशहा निवासी लोकेश्वर प्रसाद मिश्र ने मुख्य मार्ग से जुड़ने वाले पहुंच मार्ग को खुलवाने के विषय में आवेदन दिया।

कलेक्टर ने तहसीलदार हुजूर को आवेदनों में कार्यवाही के निर्देश दिए। ग्राम महासांव निवासी प्रेमलाल चौरसिया ने बिजली के करंट में फसकर हुई पुत्र की मृत्यु पर आर्थिक सहायता राशि दिलाए जाने का आवेदन दिया। कलेक्टर ने एसडीएम गुढ़ को प्रकरण की जाँच कर कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।